वर्षः- 06
अंकः- 87
मुरादाबाद
(Friday)
17 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अटूट श्रद्धा के महाप्रभु जगन्नाथ, विशाल आंखें सब पर बरसाती हैं समान कृपा, बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

महाप्रभु जगन्नाथजी जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आंखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको समान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं।बचपन से ही मेरा श्रीजगन्नाथ महाप्रभु से गहरा आध्यात्मिक संबंध रहा है। उनके भजन, प्रार्थनाएं और महिमा सुनते-सुनते मेरे मन में उनके प्रति अटूट श्रद्धा जागी। भजन गाते हुए मुझे सदैव ऐसा अनुभव होता था कि महाप्रभु मेरे साथ हैं और जीवन की हर विपत्ति में मेरा मार्गदर्शन करते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूं- मेरे पास दिन-रात रहते हैं महाप्रभु परमेश्वर,- यह बात याद कर हृदय में पूजूंगा उन्हें निरंतर।मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथजी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथजी की चर्चा होती थी। गांव के वातावरण, विद्यालय की प्रार्थनाओं और घर की धार्मिक परंपराओं ने मेरे मन में श्रीजगन्नाथ के प्रति गहन आस्था का संस्कार दिया। स्कूल में भक्त सालबेग की 'आहे नीड़ो शोइड़ो' प्रार्थना गाई जाती थी। शिक्षक बताते थे, पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में जगन्नाथजी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथजी का रंग काला है, आंखें गोल-गोल हैं। सुभद्राजी का रंग पीला है, बलभद्र चांदनी फूल की तरह सफेद है। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद 'महाप्रसाद' है, उनका मंदिर 'बड़ा मंदिर' है, उनका पथ 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र 'महोदधि' है। भुवनेश्वर में पढ़ाई के दौरान पहली बार पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन किए। विशाल श्रीमंदिर, चतुर्धा विग्रह और रथयात्रा की दिव्यता ने मेरे हृदय पर अमिट छाप छोड़ी।क्या उनकी रथयात्रा भुलाई जा सकती है? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में, लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहां आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहां सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है। मेरे जीवन के हर उत्थान-पतन में महाप्रभु ही मेरे संबल रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित होने पर भी सबसे पहले मैंने उन्हीं का स्मरण किया और उनके आशीर्वाद की प्रार्थना की। शपथ ग्रहण से लेकर अपने प्रथम संबोधन तक मुझे निरंतर उनकी उपस्थिति और कृपा का अनुभव होता रहा।राष्ट्रपति बनने के बाद जब लंबे समय तक पुरी नहीं जा सकी, तो मन व्याकुल रहा। अंततः 10 नवंबर, 2022 को पुरी पहुंचने का अवसर मिला। बड़दांड पर पहुंचते ही मैंने प्रोटोकॉल त्यागकर नंगे पांव श्रीमंदिर तक चलने का निश्चय किया। श्रीमंदिर लगभग दो किमी दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई। सिंहद्वार पर पहुंचकर पावन धूल में साष्टांग प्रणाम किया और गर्भगृह में महाप्रभु के दर्शन कर भाव-विभोर हो उठी। ...मैं आगे बढ़ती चली गई- राष्ट्रपति बनने के बाद जब लंबे समय तक पुरी नहीं जा सकी, तो मन व्याकुल रहा। अंततः 10 नवंबर, 2022 को पुरी पहुंचने का अवसर मिला। बड़दांड पर पहुंचते ही मैंने प्रोटोकॉल त्यागकर नंगे पांव श्रीमंदिर तक चलने का निश्चय किया।

श्रीमंदिर लगभग दो किमी दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई। सिंहद्वार पर पहुंचकर पावन धूल में साष्टांग प्रणाम किया और गर्भगृह में महाप्रभु के दर्शन कर भाव-विभोर हो उठी।मेरे लिए श्रीजगन्नाथ केवल आराध्य देव नहीं, बल्कि समता, करुणा और सेवा के प्रतीक हैं। उनकी सदैव जागृत, विशाल आंखें समस्त मानवता पर समान कृपा बरसाती हैं। उन्हीं की प्रेरणा से मैंने समाज के प्रत्येक वर्ग की सेवा को अपना धर्म माना है। आज भी मेरी यही प्रार्थना है कि महाप्रभु का आशीर्वाद सदा मुझ पर, मेरे देश और समस्त मानवता पर बना रहे।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया संकट: होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की न करें तैनाती

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच समुद्री प्रशासन महानिदेशाल ने जहाज मालिकों और भर्ती कंपनियों को अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती से बचने की सलाह दी है।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। महानिदेशालय समुद्री प्रशासन (डीजीएमए) ने जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती न करें। डीजीएमए ने जारी एडवाइजरी में कहा है कि फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के समुद्री क्षेत्र में चलने वाले सभी जहाजों के कप्तान (मास्टर) सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरतें। उन्हें संबंधित अधिकारियों की ओर से जारी नेविगेशन चेतावनियों, सुरक्षा सलाह और ताजा अपडेट पर लगातार नजर रखने के साथ-साथ इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट सिक्योरिटी (ढ्ढस्क्क) कोड के तहत सभी सुरक्षा उपाय लागू करने होंगे।हालिया हमलों के बाद जारी हुई एडवाइजरी

यह सलाह हाल ही में एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा नाम के दो जहाजों पर हुए हमलों के बाद जारी की गई है।

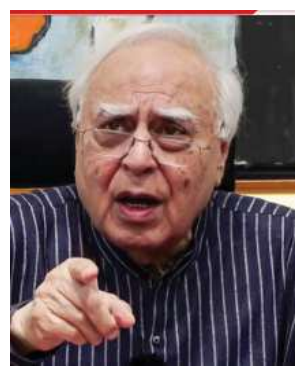

राम मंदिर दान विवाद पर UBT का 18 जुलाई को प्रदर्शन, सांसद संजय राउत ने सीएम फडणवीस को दिया न्योता

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 18 जुलाई को नागपुर में आयोजित राम रक्षा आंदोलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। यह आंदोलन अयोध्या के राम मंदिर में चंदे के कथित गबन के खिलाफ हो रही है। उद्धव ठाकरे ने क्या बोला था? शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व राज्य मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पहले कहा था कि वह शनिवार को मुख्यमंत्री फडणवीस के गृह नगर नागपुर में पार्टी द्वारा आयोजित राम रक्षा आंदोलन में भाग लेंगे। राउत ने फडणवीस को लिखे पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री ने अक्सर कहा है कि उन्होंने अयोध्या में राम जन्मभूमि को मुक्त कराने के आंदोलन में भाग लिया था।सेन (यूबीटी) नेता ने पत्र में कहा, जिसे उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया। इसमें बताया गया है कि आज इसी राम मंदिर में कथित तौर पर चोरी, डकैती और धोखाधड़ी जैसे अपराध हो रहे हैं, और दावा किया जाता है कि सैकड़ों करोड़ रुपये का गबन किया गया है। संजय राउत ने क्या कहा? राज्यसभा सदस्य ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने स्वयं अयोध्या में हुई कथित चोरियों पर दुख व्यक्त किया है। राउत ने कहा और फडणवीस को आंदोलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। राम मंदिर से जुड़ी कथित लूटपाट के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने राम रक्षा अभियान शुरू किया है। यह समझें कि राम रक्षा का अर्थ है भगवान राम की रक्षा।क्या है मामला? राम मंदिर के दान में कथित गबन का मामला पिछले महीने सामने आया, जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक विशेष जांच दल का गठन किया। 23 जून को प्रारंभिक एसआईटी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद, 25 जून को एफआईआर दर्ज की गई और आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेसः सोनिया गांधी के घर पर बैठक के बाद बड़ा एलान, इन मुद्दों पर भी हुआ मंथन

कांग्रेस पार्टी ने संसद के मानसून सत्र को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठक से पहले अहम मंथन किया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में कई अहम पर मंथन किया गया है। इस बैठक के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रेस को बताया कि पार्टी ने संसद के आगामी सत्र में परिसीमन बिल समेत सरकार के कई विधेयकों का विरोध करने का फैसला किया है।कांग्रेस ने कहा है कि संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी।%विपक्षी दलों के साथ एकजुटता बनाए रखने की करेंगे कोशिश%-जयराम रमेश ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि केंद्रीय गृह मंत्री परिसीमन विधेयक को फिर से संसद में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 17 अप्रैल को सरकार इस विधेयक पर दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में असफल रही थी और उसे बड़ा झटका लगा था। अब सरकार इसे दोबारा लाना चाहती है। कांग्रेस इस विधेयक का पहले भी विरोध करती रही है और आगे भी करती रहेगी। साथ ही विपक्षी दलों की एकजुटता बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी। संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक हुआ मंथन-उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को हटाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई गई है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस इस विधेयक का भी मजबूती से विरोध करेगी।

जयराम रमेश ने बताया कि वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस विषय पर बनी जेपीसी को 10 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। कांग्रेस इस प्रस्ताव का भी विरोध करेगी।उन्होंने कहा कि यदि सरकार विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक मानसून सत्र में लाती है तो कांग्रेस इसका पूरी तरह विरोध करेगी।

लोकतंत्र में सवाल पूछना बंद न होः जान दांव पर लगी हो तो सरकार चुप क्यों? वांगचुक के समर्थन में बोले सिब्बल

नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। उनके इस अनशन और भूख हड़ताल को राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील कपिल सिब्बल का समर्थन मिला है। सिब्बल ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज सोनम वांगचुक के आमरण अनशन का 18वां दिन है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक बातचीत की कोई पहल नहीं की गई है। क्या सरकार को बातचीत की पहल नहीं करनी चाहिए? कपिल सिब्बल ने कहा कि कोई व्यक्ति आखिर भूख हड़ताल पर क्यों बैठता है? महात्मा गांधी ने उपवास क्यों किए थे? जब भी यह महसूस हुआ कि सरकार अन्याय के रास्ते पर चल रही है, तब विरोध होना स्वाभाविक था। विरोध के कई तरीके होते हैं और उपवास भी उनमें से एक है।आमरण अनशन पर बैठे व्यक्ति की बात क्यों नहीं सुनी जा रही? उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति आमरण अनशन पर बैठता है और अपनी जान तक दांव पर लगा देता है, तो सरकार का दायित्व बनता है कि वह कम से कम उससे बातचीत का रास्ता अपनाए। लोकतंत्र में संवाद ही किसी भी विवाद का सबसे प्रभावी समाधान होता है। अन्ना हजारे आंदोलन से सरकार ने क्या सीखा?- सिब्बल ने कहा कि मुझे अन्ना हजारे का आंदोलन याद है। जब भी अन्ना हजारे भूख हड़ताल पर बैठते थे और जन लोकपाल विधेयक को लेकर आंदोलन होता था, तब सरकार उनसे बातचीत करती थी। सरकार का काम लोगों की बात सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान निकालना होता है। लेकिन जब ऐसी स्थिति आ जाए कि सरकार यह कहने लगे कि वह किसी की बात नहीं सुनेगी, तो यह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। आज भारतीय राजनीति ऐसे ही एक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है।राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोनम वांगचुक के 18वें दिन के आमरण अनशन पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार को विरोध कर रहे लोगों से संवाद करना चाहिए। सिब्बल ने महात्मा गांधी और अन्ना हजारे के आंदोलनों का उदाहरण देते हुए कहा कि बातचीत ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे प्रभावी रास्ता है।

लगातार ममता का साथ छोड़ रहे राज्यसभा सदस्य, अब रुक्मिणी कोयल मलिक ने सांसद पद से दिया इस्तीफा

अभिनेत्री से नेता बनीं कोयल मलिक ने राज्यसभा सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया। कोयल मलिक का इस्तीफा ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वह राज्यसभा पहुंचने के कुछ ही महीने बाद पद छोड़ रही हैं।पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद से ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले नेताओं की होड़ लगी हुई है। पहले विधानसभा में तमाम विधायकों ने अलग गुट बनाया, फिर तीन दिन में तीन राज्यसभा सांसदों ने (शुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक) ने साथ छोड़ा। इसके बाद पार्टी के 20+ लोकसभा सांसदों ने बगावत कर, नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी का दामन थाम लिया। अब नए घटनाक्रम में पार्टी की राज्यसभा सांसद कोयल मलिक ने राज्यसभा के सदस्य का पद छोड़ दिया है।दो महीने पहले ही ली राज्यसभा की सदस्यता- कोयल मलिक ने 6 अप्रैल 2026 को पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए नामित किया था, हालांकि अब उनके अचानक इस्तीफे को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के लिए एक बड़े राजनीतिक झटके के रूप में देखा जा रहा है। राजनीति में आने से पहले कोयल मलिक बंगाली फिल्म उद्योग का एक बेहद चर्चित और लोकप्रिय चेहरा रही हैं। उन्हें टॉलीवुड की %टॉली-क्वीन% भी कहा जाता है। पिछले दो दशकों से वह बंगाली सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।कोयल मलिक का फिल्मी सफर- उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2003 में सुपरहिट फिल्म नेटर गुरु से की थी। इसके बाद बंधन (2004), शुभदृष्टि (2005), पागलू (2011), हेमलॉक सोसाइटी (2012) और मितिन माशी थ्रिलर सीरीज (2019) जैसी कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई। कोयल मलिक को अपने शानदार अभिनय के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिल चुके हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड बांग्ला, दो बीएफजेए अवॉर्ड और साल 2023 में पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिष्ठित महानायक सम्मान प्रदान किया गया था। अगर उनके पारिवारिक जीवन की बात करें तो वह बंगाली सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रंजीत मलिक और दीपा मलिक की बेटी हैं। फिलहाल उनके इस फैसले ने टीएमसी की राजनीति और पश्चिम बंगाल के सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।तृणमूल ने फरवरी में पूर्व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी और अभिनेत्री कोयल मलिक को राज्यसभा भेजकर राजनीतिक हलकों को चौंका दिया था। हालांकि सांसद बनने के बाद कोयल ने अब तक राज्यसभा की किसी भी कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया था। लेकिन उससे पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भूपेंद्र यादव के साथ उनकी मुलाकात सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार से कहीं अधिक महत्व रखती है। हाल के महीनों में तृणमूल के बागी सांसदों और विपक्षी खेमे के बीच संवाद स्थापित कराने में भी भूपेंद्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जाती रही है। ऐसे में अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या कोयल मलिक भी अपने पूर्व सहयोगियों के रास्ते पर चलते हुए भाजपा में शामिल होकर फिर से राज्यसभा पहुंचेंगी।

संपादकीय Editorial

A War of Clash of Civilizations

Five days, three nights, and a total of 310 devastating, destructive attacks...! Can anyone survive after these attacks and bombings? Iran is undoubtedly still deployed, entrenched, and in retaliation to US military attacks, is destroying US military bases operating in the Gulf countries.

If US attacks have destroyed the infrastructure of Chabahar, Sirik, Asaluyeh, Yasuj, Konarak, Bushehr, and other ports, military and nuclear facilities, and Iran has destroyed 17 US military bases in the Gulf countries to such an extent that operations from there will be unfeasible for some time to come. This war is now becoming a war of immorality, arrogance, a clash of civilizations, and Shia versus Muslim. The US and Israeli plans and objectives to impose war have failed and are far behind, and the war has become centered on the Strait of Hormuz. Iran attacked a cargo ship off the coast of Oman. In retaliation, US attacks devastated Iran. Iran is being reduced to ruins.

President Trump is determined to destroy Iranian civilization. He has repeatedly stated that he wants to push Iran back to the Stone Age. Now, Trump claims that the Strait of Hormuz is open, allowing ships and tankers to travel, but Iran's IRGC has announced that the Strait of Hormuz is currently closed. In any case, ships wishing to transit through the Strait must seek permission from Iranian authorities. If ships and tankers try to transit via the Oman route instead of the Strait of Hormuz, they will be subject to missile and drone attacks.

In the past 15 days, 70-80 ships have sailed towards China. Why haven't they been attacked? On July 10th, 19 ships sailed through the Strait of Hormuz; obviously, they must have paid the "Iranian toll"! However, the ship that Iran attacked, and which the US retaliated with 140 strikes, flew the flag of Cyprus, but the crew included 11 Indians. Oman rescued 23 sailors, including 10 Indians, using lifeboats, but one Indian sailor remains missing. The meaning of "missing" in the vast ocean can be understood.

Earlier, in June, the US military attacked and "murdered" three Indian sailors. We consider this a "murder" because, in today's advanced, technologically advanced environment, ample data is available about what cargo a ship is carrying, its destination, and the nationalities of its crew. Most importantly, cargo ships are constantly "warned" and awaiting their response. There is no global maritime strategy for firing missiles directly at a ship's engine room. Everything is being done indiscriminately in this war. There is no morality, no war strategy, and no code of conduct. International organizations and institutions are practically moribund. However, in the Gulf countries alone, more than 18,000 Indians serve as sailors on various ships. More than 300,000 Indian sailors operate ships across the world.

Traces of History: Baku's Sacred Fire and India's Ancient Connection

The current temple complex reflects the dynamism of these nomadic communities. Rebuilt in the late seventeenth century by Hindu Khatri traders from Punjab who settled in Baku, the temple endured not only as a religious site but also as an institutional hub supported by trade networks. In the breezy plains of Surakhani, on the outskirts of Baku, a quiet flame still illuminates the memory of a civilization that stretched from the shores of the Caspian Sea to the Indian subcontinent. The fire that once naturally emerged from the earth in the ancient Ateshgah Fire Temple was not merely a geographical phenomenon. For centuries, it has been a sacred foundation for Indian faith, dynamism, and spiritual imagination, extending far beyond its geographical origins.

This temple complex, with its enclosed courtyard, central altar, and simple chambers, still bears a clear Indian influence—from sculptures depicting Nataraja to inscriptions invoking Ganesha—indicating that it was not merely a casual contact zone but a vibrant extension of a broader sacred geography. The entrance hall, with a room or guest room above, once housed Hindu and Sikh pilgrims, making it clear that Surakhani was not only a place of worship but also an active pilgrimage center connected to long-distance trade and religious routes. Historical evidence suggests that during the Sassanian period (224-651 AD), Baku was known by the name of Bhagwan, also spelled Bagwan or Baguan. This name is believed to have been given by the Vedic people who visited or settled in the region. This name also gives rise to the country's modern name, Azerbaijan (Azar - fire, Beguan - God). This continuity of nomenclature points to deep cultural exchanges shaped by the early movements of fire-worshipping Aryan groups westward. Naturally occurring hydrocarbon vents in the region, which emitted spontaneous flames, created a rare ecological environment where geology itself seemed to confirm theology, giving rise to a class of sacred sites where the divine was experienced through fire. An interesting book by Prof. K.T.S. Sarao, "The Eternal Fire Temple of Baku," published by Bloomsbury Publishing, comprehensively documents this multifaceted history. This study places Ateshgah within the continuum of Indian fire worship and identifies the current structure, built on earlier ruins in the late seventeenth century, as part of a much older sacred territory associated with the flame-tongued goddess Jwala Ji.

The mythological tales associated with this shrine firmly establish it in the Indian sacred imagination. According to tradition, when Sati immolated herself, the grief-stricken Shiva carried her body throughout the universe until Vishnu intervened and divided it among several sacred sites. Places where the goddess has been seen manifesting as an eternal flame include the Jwalamukhi Temple, Shaktinagar, Muktinath, and Surakhani in Baku. At these sites, including Surakhani, the goddess has been seen manifesting as seven or nine flames, representing eternally burning divine manifestations. This intertwining of natural fire and sacred faith led Baku to become known as the Western Kashi. Hindus from undivided India—especially traders and pilgrims from Multan—traveled arduous routes not only to worship, but also, in some cases, to consciously embrace death. Cremation was performed using the naturally occurring sacred fire, and Surakhani was considered the endpoint of a broader spiritual journey to liberation.

The current temple complex reflects the dynamic presence of these nomadic communities. Rebuilt by Hindu Khatri traders from Punjab who settled in Baku in the late seventeenth century, the temple persisted not only as a religious site but also as an institutional center supported by trade networks. The courtyard, surrounded by twenty-four windowless cells, served as both a monastery and an inn, housing the ascetic and merchant communities who kept the sacred fire traditions alive. Its inscriptions, dating from Samvat 1762 to 1873 (1705-1816 CE), provide some of the most convincing evidence of this continuity. These inscriptions, found in Devanagari, Gurmukhi, Landa, and Persian, often begin with praises to Lord Ganesha and mention Jwala Ji by name several times. The swastika symbol appears repeatedly in these inscriptions, reinforcing the religious vocabulary of the site and indicating a continuous and organized religious presence rather than sporadic visits.

The shrine is also significantly associated with Sikhism. Inscriptions attributed to Guru Nanak Dev Ji commemorate his visit to Baku between 1511 and 1521 AD during his fourth Udasi, when he was traveling through the Middle East, Persia, and Central Asia.

The temple later came under the care of Udasi ascetics, whose religious concept incorporated reverence for fire as well as a broader Indian worship system. This included the worship of the Trishakti (through the trident, Om, and swastika). The temple included a Panchayatana tradition incorporating Shiva, Vishnu, Surya, Durga, and Ganesha, establishing the temple as a fully developed Indian sacred site rather than a simple pilgrimage site.

The antiquity of fire worship in the region is underscored by classical references, which suggest that Alexander the Great observed the natural eternal fire in the area during the fourth century BCE, long before the construction of the current complex.

Over time, changing political circumstances altered the temple's fortunes. Arab invasions in the Caspian region led to the destruction or gradual neglect of many non-Islamic places of worship, including this shrine. Its reconstruction in the late medieval period was driven by religious revival as well as political necessity and economic exigencies, allowing local Hindu communities to reclaim a diminished but still significant sacred site.

By the nineteenth century, this tradition had gradually begun to fade. The visit of Tsar Alexander III of Russia in October 1888 to witness one of the last Hindu religious ceremonies held at the site marked the end of this once prosperous and vibrant spiritual center. The temple also attracted figures such as Helena Blavatsky, founder of the Theosophical Society and later mentor to Annie Besant, reflecting its broad philosophical and intellectual appeal beyond its geographical location.

The natural flames eventually died out in the twentieth century as Soviet industrial activities exploited the underlying gas reserves. The flames visible today are protected for visitors by pipelined gas, yet they keep alive the memory of an ancient sacred landscape created by naturally occurring fire.

In recent years, the site's diplomatic and cultural significance has increased again. Visits by then-Vice President M. Venkaiah Naidu and External Affairs Minister S. Jaishankar in 2019 further strengthened its place in India-Azerbaijan relations. India's support for Azerbaijan in multilateral forums, including India's support for the UNESCO World Heritage Committee term for 2025-29 and the approval of its animal husbandry nomination, reflects a partnership that draws strength from both shared heritage and contemporary cooperation.

Tourism has emerged as a vibrant bridge in this relationship, with India becoming a significant source of tourists to Azerbaijan, many of whom are attracted by Ateshgah's multi-layered past and its enduring civilizational echoes.

What stands today in Surakhani is not merely a restored monument, but a civilizational archive—where geology and theology, trade and devotion, memory and diplomacy converge. In the steady glow of Ateshgah's flame, Baku's former identity as God appears not as a relic of the past, but as a reminder of a shared history that continues to illuminate the present.

By-elections: From Bihar to Madhya Pradesh, questions raised over candidate selection

Nitin Naveen's first major electoral test is the by-elections in Bihar and Madhya Pradesh. This test isn't just about victory or defeat in two assembly seats, but also about his leadership, organizational ability, and political judgment. Under the leadership of BJP National President Nitin Naveen, the party created a political record by electing its first Chief Ministers in two major states, Bihar and West Bengal. This earned him national recognition for his organizational leadership. However, the same leadership now faces challenges in the Bankipur, Bihar, and Datia assembly by-elections in Madhya Pradesh. The candidate in Bankipur, Bihar, had to be changed after nominations, while the denial of Narottam Mishra's ticket in Datia, Madhya Pradesh, exposed discontent within the party. These difficulties, after significant electoral successes, have also become a test of Nitin Naveen's organizational strategy. The by-elections in Bihar and Madhya Pradesh are the first major electoral test Nitin Naveen faces. This test isn't just about victory or defeat in two assembly seats, but also about his leadership, organizational ability, and political judgment. Candidate selection is considered a crucial and sensitive process in electoral politics. A wrong decision can not only disrupt the electoral equation but also create discontent within the organization. The BJP is currently facing this challenge in both Bihar and Madhya Pradesh. Last-minute change in Bankipur: The Bankipur assembly seat in Bihar has been a traditional stronghold of the BJP. The seat has been held by the BJP continuously since 1995, and Nitin Naveen himself served as MLA from this seat several times. After Naveen's election to the Rajya Sabha, the seat became vacant, necessitating a by-election. The BJP initially nominated Bharatiya Janata Yuva Morcha leader Abhishek Kumar Sinha (Bunty). He filed his nomination in the presence of senior leaders. However, the next day, he withdrew his nomination, citing "family reasons." Following this, the BJP was forced to immediately announce Neeraj Kumar Sinha as the new candidate. Changing a candidate after nomination is considered unusual for any major political party and has raised several questions about the party's candidate selection process. The Bankipur contest has also become a prestige issue, as Prashant Kishor, founder of Jan Suraj, is contesting the assembly elections here for the first time.

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बोले- भारत की पारदर्शी चुनाव प्रणाली पर पूरी दुनिया को भरोसा

मुरादाबाद पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, बोले-भारत की सक्षम और पारदर्शी चुनावी प्रणाली पर पूरी दुनिया को भरोसा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दिल्ली रोड स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के आडिटोरियम में बूथ लेवल अॉफिसर्स (बीएलओ), सुपरवाइजर्स और एआरओ के साथ संवाद किया देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को दिल्ली रोड स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के आडिटोरियम में बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ), सुपरवाइजर्स और एआरओ के साथ संवाद किया। उन्हें चुनाव की प्रक्रिया में दायित्वों को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ निभाने का आह्वान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि उन्हें लंबे समय बाद मुरादाबाद आने का अवसर मिला है। यहां काफी विकास हो चुका है। शहर पूरी तरह बदल गया है। उन्होंने पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत की सक्षम और पारदर्शी चुनावी प्रणाली पर पूरी दुनिया को भरोसा है। चुनाव की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संचालित किया जाता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची निर्माण से लेकर मतदान और मतगणना तक की प्रमुख प्रक्रियाएं राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के सामने पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जाती हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इसी सक्षमता और पारदर्शिता के कारण भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद मुरादाबाद में आने पर काफी अच्छा लगा। कहा कि शहर में काफी विकास हुआ है और लोगों से मिलकर अच्छा लगा।

मानसून के बीच अल नीनो का डबल अटैक! 10 वर्षों में सबसे गर्म रहा 15 जुलाई, अब खेतों में सूख रही फसलें

मुरादाबाद में चार दिनों से बारिश न होने के कारण उमस और गर्मी बढ़ गई है, 15 जुलाई 10 वर्षों में सबसे गर्म रहा। अल नीनो के प्रभाव से कम बारिश की आशंका है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं, हालांकि एक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।मानसून के बीच बादलों की बेरुखी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शहर और आसपास के क्षेत्रों में पिछले चार दिनों से बारिश नहीं हुई, जिससे उमस और गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बुधवार को शहर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 2017 के बाद 15 जुलाई का सबसे अधिक तापमान माना जा रहा है। शहर में सुबह और शाम नमी के कारण उमस बढ़ रही है, जबकि दिन में तेज धूप से लोग बेहाल रहे। स्कूली बच्चों ने धूप से बचने के लिए छाता का सहारा लिया, तो वहीं सड़क पर निकले लोग चेहरे को ढककर निकले।मौसम विभाग का कहना है कि जुलाई और अगस्त में मजबूत अल नीनो रहने की संभावना है, जिससे जिले में 10-20 फीसदी कम बारिश होगी। खेतों में धान, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई करने वाले किसान भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। लगातार बारिश नहीं होने से सिंचाई की जरूरत बढ़ने लगी है।10 वर्ष में 15 जुलाई का अधिकतम व न्यूनतम तापमान वर्ष अधिकतम तापमान (°C) न्यूनतम तापमान (एए) 2026 37 26 202532 27 2024 32 29 202331 2820 22 34 29 20213 3 28 2020 34 28 2019 32 26 2018 33 292017 33 28 मौसम विभाग प्रभारी मोहम्मद नाशिर ने बताया कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को मानसून के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ दिनों में बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम बनने पर बारिश की गतिविधियां फिर तेज हो सकती हैं। क्या है अल नीनो- अल नीनो प्रशांत महासागर से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु प्रक्रिया है, जिसमें समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है। इसके कारण मानसूनी हवाएं कमजोर पड़ सकती हैं और कई बार भारत में कम वर्षा होती है। हालांकि इस वर्ष हिंद महासागर की अनुकूल परिस्थितियों के कारण अल नीनो का प्रभाव सीमित रहने और सामान्य मानसून बने रहने की संभावना जताई जा रही है। शाम सात बजे मोबाइल फोन पर आया तीन घंटे का आरेंज अलर्ट- शाम सात बजे सचेत ऐप के अनुसार मुरादाबाद में अगले तीन घंटों के दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश होने और बिजली गिरने की आशंका है। इसे देखते हुए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मनमानी पड़ेगी भारी : कांवड़ यात्रा में फिल्मी और अश्लील गानों पर लगा बैन, DJ पर केवल ये गाने बजाने की होगी मंजूरी

पुलिस-प्रशासन ने कुंदरकी में कांवड़ यात्रा के लिए डीजे संचालकों को सख्त गाइडलाइन जारी की है। नियमों का उल्लंघन करने पर डीजे जब्त कर एफआईआर दर्ज की जाएगी, केवल धार्मिक गीत ही बजाने की अनुमति?

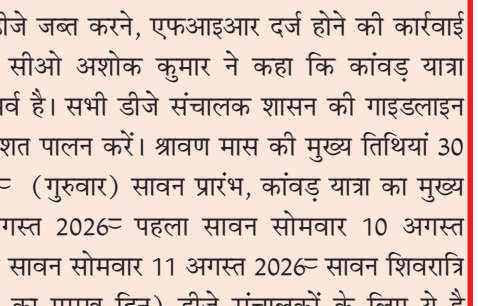

है।30 से अधिक डीजे संचालकों को थमाई गाइडलाइन, दी चेतावनीश्रावण मास कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से शुरू होने जा रही है। पुलिस-प्रशासन सतर्क हो गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे संचालन को लेकर गाइडलाइन जारी की गई है। बुधवार को थाना परिसर में थाना प्रभारी हम्बीर सिंह जादौन ने डीजे संचालकों के साथ बैठक की। नगर के अलावा हरियाना, मोहनपुर, नानपुर, हुसैनपुर, इमरतपुर, मंझौली और शेखुपुर खास समेत 30 से अधिक डीजे संचालकों को थाने पर बुलाया गया। उन्हें शासन की ओर से जारी गाइडलाइन से अवगत कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि, कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संचालित किए जाएंगे।डीजे की ऊंचाई और चौड़ाई शासन के तय मानकों से अधिक नहीं होगी। केवल शिव भजन एवं धार्मिक गीत ही बजाए जाएंगे। ध्वनि प्रदूषण संबंधी मानकों का भी कड़ाई से पालन करना होगा। डीजे वाहन यातायात में बाधा नहीं बनेंगे और सुरक्षा संबंधी नियमों का भी पालन करना होगा।संचालकों को गाइडलाइन की प्रतिलिपि और नोटिस भी उपलब्ध कराए गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर डीजे जब्त करने, एफआइआर दर्ज होने की कार्रवाई की जाएगी। सीओ अशोक कुमार ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का पर्व है। सभी डीजे संचालक शासन की गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन करें। श्रावण मास की मुख्य तिथियां 30 जुलाई 2026- (गुरुवार) सावन प्रारंभ, कांवड़ यात्रा का मुख्य आरंभ 3 अगस्त 2026- पहला सावन सोमवार 10 अगस्त 2026- दूसरा सावन सोमवार 11 अगस्त 2026- सावन शिवरात्रि (जलाभिषेक का प्रमुख दिन) डीजे संचालकों के लिए ये है नियम -डीजे की अधिकतम ऊंचाई 12 फीट और चौड़ाई 10 फीट से अधिक नहीं होगी। केवल शिव भजन एवं धार्मिक गीत ही बजाए जाएंगे। फिल्मी, अश्लील, द्विअर्थी, जातीय, सांप्रदायिक या भड़काऊ गीत पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि का स्तर निर्धारित सीमा (75 डेसीबल तक) के भीतर रखना होगा। डीजे वाहन से यातायात बाधित नहीं होना चाहिए और सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा।

लकड़ी कारोबारी के आवास और फैक्टरी पर जीएसटी का छापा

रामपुर। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) मेरठ की टीम ने बुधवार को लकड़ी कारोबारी जकी उल्लाह खां के आवास और भमरौवा स्थित उनकी लकड़ी फैक्टरी पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने कारोबारी से पूछताछ की और फैक्टरी से जुड़े अभिलेखों तथा खातों की जांच की। दिनभर चली कार्रवाई से कारोबारियों में खलबली मची रही। सीजीएसटी मेरठ की टीम बुधवार सुबह शहर के मोहल्ला पुराना गंज स्थित लकड़ी कारोबारी जकी उल्लाह खां के आवास पर पहुंची।

टीम ने कई घंटे तक वहां अभिलेखों की जांच की। इसके बाद कारोबारी को अपने साथ भमरौवा स्थित फैक्टरी ले गई।फैक्टरी में अधिकारियों ने वित्तीय रिकॉर्ड, खरीद-बिक्री से संबंधित दस्तावेज और अन्य कारोबारी अभिलेखों की गहन जांच की। टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर उनका सत्यापन भी शुरू किया। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कारोबारी से कर संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ की गई।समाचार लिखे जाने तक केंद्रीय जीएसटी की टीम की कार्रवाई जारी थी। अधिकारियों ने जांच पूरी होने तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की। छापे की सूचना से दिनभर कारोबारियों के बीच चर्चाओं का माहौल बना रहा। फिलहाल कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है।

जामताड़ा के ठगों का नया ठिकाना! यूपी में बैठकर कर डाली 70 लाख की साइबर ठगी, ऐसे खुली पोल

मुरादाबाद पुलिस ने जामताड़ा के तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एपीके फाइल भेजकर लोगों से 70 लाख रुपये की ठगी की थी। उनके पास से मोबाइल, सिम कार्ड, फर्जी पहचान पत्र और नकदी बरामद हुई है, और जिले के तीन शातिर साइबर अपराधियों को फोन, चार पेन ड्राइव, 23 एक्टिवेटेड सिम, कार्ड, 11 फर्जी आधार कार्ड, सात पैन कार्ड से मुरादाबाद में एक किराए के मकान में रहकर 70 लाख रुपये की ठगी की है। आरोपित गुड्डू झारखंड के रूप में हुई है।पूछताछ में आरोपितों एसएमएस और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपडेट, केवाईसी, बिजली बिल, कूरियर, कराने के बाद मोबाइल का एक्सेस हासिल कर जानकारियां चुराकर पीड़ितों के खातों से रकम टास्क आधारित योजनाओं में बोनस का लालच के माध्यम से भी लोगों को एपीके फाइल आई है। पुलिस जांच में पता चला कि यह गिरोह संगठित तरीके से फर्जी सिम, म्यूल बैंक खाते का इस्तेमाल करता था। एक शहर में 15 से 20 दिनों तक सक्रिय रहने के बाद सिम कार्ड नष्ट कर देता था और अवैध धनराशि को विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर बिहार, कोलकाता और झारखंड में निकाल लेता था। यूपीआई पोर्टल पर इस गिरोह के खिलाफ विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी के 16 मामले दर्ज मिले हैं।

उनके खिलाफ देशभर में 16 मामले दर्ज हैं।झारखंड के जामताड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से सात मोबाइल पांच एयरटेल व पांच जियो के नए सिम कार्ड, 10 एटीएम स्मार्ट तथा 25 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। तीनों बीते 18 दिनों एपीके फाइल भेज कर लोगों से ठगी कर रहे थे। इन्होंने करीब अंसारी, रफीक अंसारी और करीम अंसारी निवासी जामताड़ा, ने बताया कि देशभर के लोगों को मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप, फर्जी लिंक तथा एपीके फाइल भेजते थे। इन फाइलों को बैंक सरकारी योजना या अन्य जरूरी सेवाओं के नाम पर डाउनलोड लेते थे। इसके बाद इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई और अन्य संवेदनशील निकाल लेते थे। इसके अलावा आनलाइन गेमिंग, निवेश और देकर भी लोगों से धनराशि ऐंठते थे। फर्जी कस्टमर केयर नंबरों डाउनलोड कराकर बैंक खातों से रकम उड़ाने की बात सामने

जौहर यूनिवर्सिटी जाने वाली 3.5 किमी सड़क पर पीडब्ल्यूडी का दावा, बोर्ड लगाकर लिखा- यह आम रास्ता है

आजम खान के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी आरडीए के आदेश से बढ़ा सियासी हलचल, बोले डीएम

सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला रामपुर जिला कारागार में काट रहे हैं सजा, रामपुर विकास प्राधिकरण ने आजम खान के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर विश्वविद्यालय में बने 38 भवनों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के आदेश दिए हैं। प्रशासन का आरोप है कि भवन बिना स्वीकृत नक्शे के बनाए गए। आदेश के बाद जिले में सियासी हलचल तेज हो गई है, जबकि छात्रों के भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के ड्रीम प्रोजेक्ट मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने विश्वविद्यालय परिसर में बने 38 भवनों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। इस फैसले के बाद जिले में सियासी हलचल तेज हो गई है।नियमों की अनदेखी कर बनाए गए भवन = डीएम- आरडीए के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि संबंधित भवनों का निर्माण नियमों की अनदेखी करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि निर्माण के लिए आवश्यक मानचित्र (नक्शा) तक स्वीकृत नहीं कराया गया, जबकि संबंधित लोगों को नियम-कानून की पूरी जानकारी थी। डीएम के अनुसार, नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है और अवैध निर्माण के मामलों में कानून के तहत आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।सियासी हलचल तेज, कोर्ट जाने की तैयारी- जौहर विश्वविद्यालय पर कार्रवाई के आदेश के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। अब तक माना जा रहा था कि आजम खान के खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई का असर विश्वविद्यालय पर नहीं पड़ेगा, लेकिन 38 भवनों पर ध्वस्तीकरण के आदेश ने नई बहस छेड़ दी है। सपा नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय में भवनों का निर्माण उस समय हुआ था, जब रामपुर विकास प्राधिकरण का गठन नहीं हुआ था। ऐसे में इस कार्रवाई को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, कानूनी विकल्प अपनाने के लिए सीमित समय शेष है।छात्रों के भविष्य को लेकर भी चर्चाएं कार्रवाई के आदेश के बाद यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि यदि विश्वविद्यालय परिसर में बड़े स्तर पर कार्रवाई होती है तो यहां अध्ययनरत छात्रों को किसी अन्य विश्वविद्यालय से संबद्ध किया जा सकता है। हालांकि, प्रशासन की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान या आदेश जारी नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम फिलहाल विभिन्न मामलों में सजा के चलते रामपुर जिला कारागार में बंद हैं। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी जाने वाली 3.5 किमी लंबी सड़क पर पीडब्ल्यूडी ने बोर्ड लगाकर इसे सार्वजनिक मार्ग घोषित किया है। वर्षों से विवादित इस सड़क को लेकर 2019 की जांच रिपोर्ट में भी सवाल उठे थे। विभाग की कार्रवाई को सरकारी सड़क पर अधिकार स्थापित करने के तौर पर देखा जा रहा है।जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों पर प्रस्तावित कार्रवाई के बीच अब विश्वविद्यालय तक जाने वाली करीब 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क भी चर्चा में आ गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने बुधवार को सड़क पर अपना बोर्ड लगाकर स्पष्ट किया कि यह आम रास्ता है। विभाग की इस कार्रवाई को सरकारी सड़क पर अपना अधिकार स्थापित करने के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से विवादों में रही सड़क- समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में बनी यह सड़क पिछले कई वर्षों से विवादों में रही है। सड़क के एक ओर आरसीसी बाउंड्रीवाल बनाए जाने के कारण किसानों के खेतों और आसपास के लोगों के घरों तक पहुंच प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप रहा कि वे इस रास्ते का स्वतंत्र रूप से उपयोग नहीं कर पा रहे थे।मुलायम सरकार में हुआ था निर्माण, बाद में हुआ चौड़ीकरण- जानकारी के अनुसार, इस सड़क का निर्माण वर्ष 2003-04 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में कराया गया था। इसके बाद वर्ष 2016 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत सड़क के चौड़ीकरण के लिए करीब 17 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ, जिसमें 13 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़क का चौड़ीकरण कराया गया।2019 की जांच रिपोर्ट में उठे थे सवाल- वर्ष 2019 में तत्कालीन जिलाधिकारी आंजनेय कुमार सिंह द्वारा गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में सड़क के उपयोग को लेकर सवाल उठाए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि सरकारी धन से बनी सड़क का उपयोग आम जनता के बजाय विश्वविद्यालय के नियंत्रण में हो रहा है। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी, लेकिन इसके बाद लंबे समय तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।पीडब्ल्यूडी की कार्रवाई से फिर गरमाया मामला- अब पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क पर बोर्ड लगाकर इसे सार्वजनिक मार्ग घोषित किए जाने के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इसे सरकारी सड़क को कब्जामुक्त कराने और आम लोगों के आवागमन के अधिकार को सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

70+ बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड पर डीएम सख्त, लापरवाही पर लगाई फटकार...

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक में अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड हर हाल में बनाया जाए। डीएम ने खराब प्रगति वाली ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिवों को लक्ष्य निर्धारित कर अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत, तहसील और ब्लॉक स्तर पर विशेष शिविर लगाकर अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाया जाए तथा इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। समीक्षा के दौरान पीएमजेएसवाई में कई ब्लॉकों में पिछले दो महीनों से कार्य न होने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। वहीं संचारी रोग नियंत्रण अभियान में जलभराव, एंटी लार्वा फॉगिंग की धीमी प्रगति और दस्तक अभियान में क्यारा, मुड़ियानवीबक्स और शेरगढ़ क्षेत्रों में आशाओं की शून्य प्रतिशत डोर-टू-डोर विजिट पर भी अधिकारियों को फटकार लगाई। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी खंड विकास अधिकारी गांवों का लगातार भ्रमण करें, अभियान की मॉनिटरिंग करें और आशा कार्यकर्ताओं की प्रत्येक विजिट पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह, सभी खंड विकास अधिकारी तथा सीएचसी-पीएचसी के चिकित्सक उपस्थित रहे।

जेसीआई झुमका सिटी और महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय ने लगाए 50 औषधीय पौधे

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। जेसीआई क्लब झुमका सिटी बरेली के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के वनस्पति उद्यान में लगभग 50 औषधीय पौधे रोपकर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, महामंत्री एवं राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शशि भूषण अग्रवाल, निदेशक डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, जेसीआई क्लब की अध्यक्षा नुपुर गर्ग, सचिव कनिका रस्तोगी, कोषाध्यक्ष डॉ. मेधावी अग्रवाल तथा मिशन अस्पताल के निदेशक डॉ. अंकुर गर्ग सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वनस्पति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नाजो बी के निर्देशन में औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर वृक्षारोपण में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा पर बरसी पुष्पवर्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर पर सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के साथ जोरदार स्वागत किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने ढोल-नगाड़ों की मंगल ध्वनि, पुष्पवर्षा और शीतल जल सेवा के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। समिति के महासचिव हर्ष अग्रवाल ने बताया कि रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। छोटे बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और बुजुर्गों सहित सभी भक्तों ने शीतल जल ग्रहण कर सेवा कार्य की सराहना की। श्रद्धालुओं ने समिति के पदाधिकारियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे इसी प्रकार समाज और सनातन संस्कृति की सेवा करते रहें। इस सेवा कार्य के दौरान समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रवाल (एडवोकेट), महासचिव हर्ष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य राजीव अग्रवाल (मिश्री वाले), सुनील अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल (जीनियस), मनोज पांडे सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पेट्रोल डालकर परिवार समेत आत्मदाह की कोशिश, एलआईओ, इंटेलिजेंस टीम ने सूझबूझ से बचाई तीन जिंदगियां

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक व्यक्ति अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ कथित तौर पर आत्मदाह करने पहुंच गया। मौके पर तैनात इंटेलिजेंस और एलआईओ (लोकल इंटेलिजेंस यूनिट) की सतर्कता से एक बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, व्यक्ति ने जैसे ही अपने ऊपर पेट्रोल डालना शुरू किया, वहां मौजूद एलआईओ , इंटेलिजेंस टीम ने स्थिति को भांप लिया। अधिकारी तत्काल उसकी ओर दौड़े और उसे काबू में लेकर आग लगाने से रोक दिया। इस दौरान मौके पर पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के मुताबिक, व्यक्ति लगातार कह रहा था कि उसे आग लगा दी जाए। इसके बाद उसे गोपनीय कार्यालय ले जाकर पूरे मामले की जानकारी ली गई। बाद में पुलिस ने एहतियातन उसे, उसकी पत्नी और नाबालिग बेटी को जिला अस्पताल भेज दिया। पूछताछ में व्यक्ति की पहचान लाल सिंह गंगवार के रूप में हुई। उसने आरोप लगाया कि उसके पुश्तैनी रास्ते को बंद करा दिया गया है, जिससे उसके घर तक आने-जाने का रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया है। उसका कहना है कि उसने कई बार राजस्व विभाग और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। लाल सिंह के अनुसार, लगातार अधिकारियों के चक्कर लगाने और समस्या का समाधान न होने से वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गया था। इसी हताशा में उसने परिवार सहित आत्मदाह जैसा खौफनाक कदम उठाने का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि पीड़ित की शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इंटेलिजेंस और एलआईओ टीम की त्वरित कार्रवाई की चर्चा पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में होती दिखाई दी, जिसने मौके पर सूझबूझ से तीन लोगों की जान बचाकर साहस एवं ड्यूटी के प्रति परिचय दिया।

पुराने पासपोर्ट कार्यालय को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

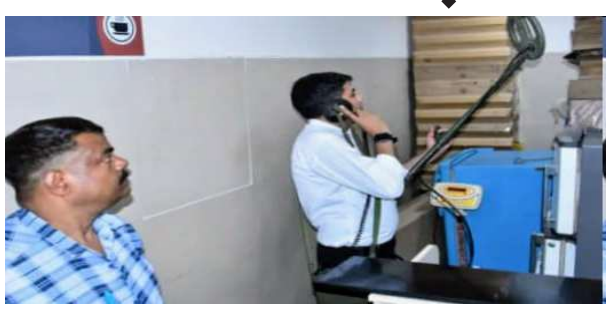

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। प्रियदर्शनी नगर स्थित पुराने पासपोर्ट कार्यालय को गुरुवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। पासपोर्ट कार्यालय के आधिकारिक ईमेल पर भेजे गए धमकी भरे मेल के बाद पुलिस प्रशासन तत्काल हरकत में आ गया। ईमेल मिलते ही सक्रिय हुई पुलिस- धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम, डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने कार्यालय की छत से लेकर सभी कमरों और आसपास के परिसर की बारीकी से जांच की। कई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पूरे परिसर की जांच पूरी होने के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की और कार्यालय परिसर को पूरी तरह सुरक्षित बताया। पहले भी मिल चुकी हैं ऐसी धमकियां यह पहला मौका नहीं है जब पुराने पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली हो। इससे पहले भी कई बार इसी तरह के धमकी भरे ईमेल भेजे जा चुके हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क हैं। पुलिस ने धमकी भरा ईमेल भेजने वाले की पहचान के लिए साइबर जांच शुरू कर दी है। ईमेल के स्रोत और आईपी एड्रेस का पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषी की पहचान होने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रावण मास कांवड़ यात्रा को लेकर डिलारी थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / डिलारी (मुरादाबाद)। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को थाना डिलारी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने की, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं तथा डीजे संचालकों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने सभी क्षेत्रवासियों से आपसी सौहार्द, भाईचारा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में मौजूद डीजे संचालकों को प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। उन्हें स्पष्ट रूप से बताया गया कि डीजे की अधिकतम ऊंचाई 10 फीट तथा चौड़ाई 8 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा वाहन की बॉडी से कोई भी स्पीकर बाहर नहीं निकला होना चाहिए तथा ध्वनि की तीव्रता भी निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मौजूद क्षेत्रवासियों ने भी पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने और कांवड़ यात्रा के दौरान आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखने का आश्वासन दिया। पुलिस प्रशासन ने सभी लोगों से अपील की कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे श्रावण मास और कांवड़ यात्रा का आयोजन सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जा सके। इस मोके पर थाना प्रभारी विजेन्द्र सिंह सहित सह पुलिस बल और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा से चमकेगा सथरापुर वेस्ट प्लांट, बरेली में कचरा प्रबंधन होगा और आधुनिक

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । सथरापुर स्थित नगर निगम के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का संचालन अब सौर ऊर्जा से किया जाएगा। इससे बिजली खर्च घटेगा, कार्बन उत्सर्जन कम होगा और प्लांट अधिक किफायती बनेगा। मेयर डॉ. उमेश गौतम और नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने प्लांट का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की समीक्षा की तथा तैयारियां जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। परिसर को ग्रीन कैंपस बनाने के लिए 400 अशोक के पौधे भी लगाए जा रहे हैं। भविष्य में यहां बायो-सीएनजी परियोजना भी शुरू की जाएगी, जिसके तहत गीले कचरे से बायो गैस और सीएनजी तैयार होगी। इससे नगर निगम के वाहनों का ईंधन खर्च कम होगा और बरेली में वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल कचरा प्रबंधन को नई मजबूती मिलेगी।

नगर निगम में बवाल! मुख्य नगर लेखा परीक्षक पर भ्रष्टाचार और 2त्न कमीशन मांगने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । नगर निगम में मुख्य नगर लेखा परीक्षक संजय दीक्षित पर भ्रष्टाचार और कर्मचारी नेताओं से अभद्रता के गंभीर आरोप लगे हैं। कर्मचारी संगठन ने नगर आयुक्त को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि मृतक आश्रित नियुक्तियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के भुगतान की फाइलें पास करने के लिए 2 प्रतिशत कमीशन मांगा जाता है। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कर्मचारी संगठन मृतक आश्रितों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ नगर निगम परिसर में धरना-प्रदर्शन करेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जुए की महफिल पर कैंट पुलिस का धावा, 52 हजार नकद के साथ 9 जुआरी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । कैंट पुलिस ने देर रात

कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जुआ खेल रहे 9 लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई 15 जुलाई की रात करीब 11:50 बजे करेली भट्टे की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई। पुलिस ने मौके से 52-52 पत्तों की दो गड्डियां और ?52 हजार नकद बरामद किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ थाना कैंट में मु0अ0सं0 349/2026 के तहत जुआ अधिनियम की धारा 13 में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया गया। यह पूरी कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार धीर के नेतृत्व में थाना कैंट पुलिस टीम ने अंजाम दी, जिससे क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों में हड़कंप मच गया।

बेटे के अपहरण व हत्या के दो दोषियों को : कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सख्त सजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । आपको बताते चलें कि 2014 के बहुचर्चित अपहरण और हत्या के मामले में आखिरकार 12 साल बाद न्याय मिला है। एडीजे-07 कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह कार्रवाई पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत प्रभावी पैरवी का परिणाम मानी जा रही है। फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम विशिपुरा निवासी नरेशपाल के 22 वर्षीय पुत्र पप्पू का 18 जुलाई 2014 को प्रेम प्रसंग की रंजिश में अपहरण कर गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद शव को जंगल में तालाब किनारे छिपा दिया गया था। मामले में थाना फरीदपुर में मुकदमा दर्ज हुआ और सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 9 गवाह पेश किए। गुरुवार को एडीजे-07 कोर्ट ने आरोपी अमर सिंह और वीर सिंह को धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 201/34 के तहत 4-4 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 3-3 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। सजा दिलाने में ऑपरेशन कन्विक्शन से जुड़े पुलिस अधिकारियों, विवेचक और अभियोजन टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आंवला सर्राफा व्यापारी का चोरी हुआ बैग बरामद, 74 हजार रुपये के साथ शातिर व – दो बाल अपचारी भी पुलिस की गिरफ्त में

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । आंवला थाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारी से चोरी हुए पैसों से भरे बैग का सफल खुलासा करते हुए बड़ी कामयाबी

हासिल की है। पुलिस ने 74 हजार रुपये नगद, चोरी किया गया बैग और वारदात में इस्तेमाल की गई अपाचे मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया गया है। 9 जुलाई को आंवला कस्बे के सर्राफा व्यापारी मनोज खंडेलवाल की दुकान से 84 हजार रुपये से भरा बैग चोरी हुआ था। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह तक पहुंच बनाई। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात कबूल कर ली और बताया कि रकम आपस में बांट ली गई थी। पुलिस ने मध्य प्रदेश निवासी हरेन को गिरफ्तार किया, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी और दोनों बाल अपचारियों के कब्जे से कुल 74 हजार रुपये, चोरी का बैग और अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जिला पंचायत सदस्य दिरावटी श्री मती मीनाक्षी आनंद पटेल ने जनहित में कराये विकास कार्य, ग्राम पड़री में निधि से किये कई अच्छे कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। जिला पंचायत सदस्य दिरावटी श्री मती मीनाक्षी आनंद पटेल बाबूजी ने एक जानकारी में बताया है कि उन्होंने जिला पंचायत क्षेत्र दिरावटी के अंतर्गत आने वाले गांवों में विकास की गंगा बहाने का कार्य किया है जनहित में तमाम गांवों में विकास से संबंधित निर्माण कार्य कराये उन्होंने बताया है कि उन्होंने ग्राम पड़री में तमाम कार्य कराये जिनकी जनता द्वारा बेहद मांग की गई थी उन्होंने बताया है कि अपनी जिला पंचायत निधि से ग्राम पड़री में स्टैंड पर काफी समय से अंधेरा था वहां पर हाई मास्क लाइट की स्थापना की जिससे गांव के लोगों को रात के समय आने जाने में दिक्कत होती थी अब दूर हो गई गांव में रामलीला मैदान है जिसपर निधि से वहां तीन शेड कार्य करवाया गया जिससे अब राम लीला संचालन में होने वाली समस्या को दूर किया गया। गांव के शंकर जी के मंदिर पर भक्तों को होने वाली परेशानी को दूर किया यहां पर भी हाई मास्क लाइट लगवाई गई

ग्राम पड़री में स्थित अति प्राचीन और सिद्ध हुल्का देवी मंदिर जिस पर पूरे कोंच की आस्था बनी रहती है और दूर दूर से भक्त लोग मंदिर पर दर्शन करने आते है इस अति प्राचीन मंदिर पर अपनी निधि द्वारा टीन शेड का निर्माण करवाया है इस मंदिर पर बारिश के मौसम में भक्तों को आने जाने में दिक्कत होती थी भक्त लोग बारिश में भींग जाते थे अब यह समस्या दूर हुई। गांव पड़री में प्राथमिक विद्यालय से खेल के मैदान तक जल निकासी हेतु नाला निर्माण कराया गया स्कूल के बच्चों और शिक्षकों को जल भराव की समस्या से बहुत परेशानी थी अब यह दूर हो गई है नाला निर्माण होने से जल निकासी होने लगी है। जिला पंचायत सदस्य दिरावटी श्रीमती मीनाक्षी आनंद पटेल बाबू जी बोहरा ने कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी बड़ी शक्ति है गांव का विकास हमारा प्रयास है जनता की सेवा करना हमारा धर्म है उन्होंने कहा कि क्षेत्र का चौमुखी विकास उन्होंने कराया है उन्होंने कहा क्षेत्र की जनता को मेरी कभी भी जरूत पड़े तो उनके लिये मेरे दरबाजे चौबीस घंटे खुले है वह जनता के सेवक है न कि कोई नेता है

डीएम ने दिखाई जागरूकता रथ को हरी झंडी, शुरू हुआ भूजल सप्ताह- अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। जनपद में भूजल सप्ताह-2026 का शुभारंभ गुरुवार को जन-जागरूकता के बड़े अभियान के साथ हुआ। जिलाधिकारी ने जल संरक्षण और भूजल संवर्धन का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक नागरिक वर्षा जल संचयन अपनाए और जल का विवेकपूर्ण उपयोग करे, तो भूजल स्तर को संरक्षित एवं बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने सभी लोगों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

यह प्रचार-प्रसार वाहन जनपद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल संरक्षण के उपायों तथा भूजल सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देगा और लोगों को जल बचाने के लिए प्रेरित करेगा।

गौरतलब है कि 16 से 22 जुलाई 2026 तक पूरे प्रदेश में भूजल सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, नगर निकायों एवं जिला स्तर पर जल संरक्षण, पौधारोपण, जन-जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, सीनियर हाइड्रोजियोलॉजिस्ट सौरभ साह, लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आधार सेवाओं को मिलेगी नई रफ्तार : बरेली में IDAI का मास्टर प्रशिक्षण, ऑपरेटरों को सिखाए गए नए नियम

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । आधार सेवाओं को और अधिक पारदर्शी, तेज़ और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के मुख्यालय के निर्देश पर विकास भवन में आधार नामांकन एवं अद्यतन (ECMP/UC) विषय पर मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न रजिस्ट्रारों के अधिकारियों एवं ऑपरेटरों को आधार नामांकन, दस्तावेज सत्यापन, बायोमेट्रिक गुणवत्ता सुधार तथा UIDAI के नवीन दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि आम नागरिकों को बेहतर और सुगम आधार सेवाएं मिल सकें।

कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर सुमित भटनागर ने किया। इस अवसर पर दीपक लखचौरा, अस्सिटेंट सेक्शन ऑफिसर , संदेश श्रीवास्तव अस्टिटेंट मैनेजर एवं दीपक चंद्र सेंटर मैनेजर आधार सेवा केंद्र मौजूद रहे। UIDAI का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आधार सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और नागरिकों को तेज़, सुरक्षित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद – जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं संबंधित प्रतिभागियों ने सहभागिता की। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने अपने संबोधन में कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का उद्देश्य स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था स्थापित करना है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यशाला में बताया गया कि बड़े अपशिष्ट उत्पादकों को अपने अपशिष्ट का प्रबंधन एवं प्रसंस्करण स्वयं करना होगा। साथ ही नगर निकायों, नगर पंचायतों एवं अन्य संबंधित संस्थाओं को केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर नियमित रिपोर्टिंग करनी होगी, जिससे अपशिष्ट के उत्पादन से अंतिम निस्तारण तक डिजिटल ट्रैकिंग संभव हो सके।

आस्था का सैलाब: प्रभु श्री जगन्नाथ रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा शहर

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में निकाली जा रही प्रभु श्री जगन्नाथ रथयात्रा में श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में भक्त रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कर पुण्य लाभ ले रहे हैं। पूरे मार्ग पर भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिल रहा है। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर रथयात्रा का भव्य स्वागत किया।

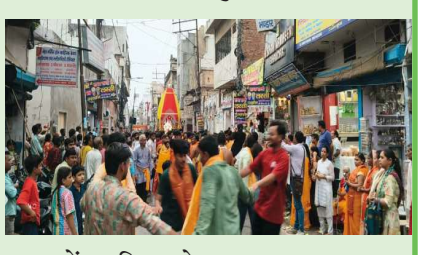

जिले के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार से मिले अपना दल एस के जिलाध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / कोंच(जालौन)। अपना दल एस जनपद जालौन के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी अपनी टीम के साथ लखनऊ पहुंचे और जिले के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार से उनके सरकारी कार्यालय पर भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया इसके बाद जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने एक ज्ञापन भी दिया इस ज्ञापन में अवगत कराया है कि कोंच नदीगांव मार्ग से होकर खुर्द रोड की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित पुलिया पिछले काफी समय से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त टूटी हुई है राहगीरो और ग्रामीणों द्वारा इस गम्भीर समस्या से मुझे बताया। यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के आवागमन का मुख्य

रास्ता है जिससे प्रतिदिन हजारों लोग और किसान अपने वाहनों एवं कृषि यंत्रों के साथ गुजरते है पुलिया पूरी तरह से टूट जाने के कारण आये दिन दुर्घटना ये हो रही है और भारी वाहनों के पलटने और गिरने का निरंतर खतरा बना हुआ है इस बरसात के मौसम को देखते हुये यदि इसका शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो यहां इस पुलिया पर कोई बड़ी जनहानि हो सकती है जिससे स्थानीय जनता में भारी असंतोष व्याप्त है जनहित में इस समस्या का निदान किए जाने की मांग की। इस अवसर पर रोहित राठौर लालसिंह कुशवाहा राम बाबू कुशवाहा अनिल लुहारी सहित कई पार्टी जन मौजूद रहे।

बिजली चोरी पर प्रवर्तन दल का बड़ा अभियान, दो उपभोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / जनपद में विद्युत चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से विद्युत प्रवर्तन दल द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों एवं पर्यवेक्षण में संचालित किया गया। अभियान के दौरान प्रवर्तन दल ने दो स्थानों पर मीटर से छेड़छाड़ कर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए दो उपभोक्ताओं को पकड़ा, जिनके विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर कोतवाली उरई में विद्युत अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई। जांच के दौरान राजेन्द्र नगर, उरई निवासी सत्यम चौरसिया के व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर स्थापित विद्युत मीटर की केबल में अतिरिक्त केबल जोड़कर लगभग 5.702 किलोवाट भार का अवैध विद्युत उपभोग किया जाता पाया गया। वहीं सपा कार्यालय के पास, उरई निवासी बुजकिशोर निगम के आवास पर मीटर से पूर्व केबल काटकर अतिरिक्त केबल जोड़कर लगभग 6.391 किलोवाट भार का अवैध विद्युत उपयोग करते हुए पकड़ा गया। प्रवर्तन दल ने दोनों मामलों में मौके पर आवश्यक साक्ष्य संकलित कर चेकिंग रिपोर्ट तैयार की तथा संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराते हुए नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें तथा मीटर अथवा विद्युत लाइन से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ से बचें। बिजली चोरी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पांचाल घाट पुल पर 10 दिन चलेगी मरम्मत: इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर एक्सपेंशन जॉइंट्स हो रहे सही

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर स्थित पांचाल घाट गंगा पुल पर मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। यह कार्य अगले 10 दिनों तक चलेगा, जिसके कारण यातायात प्रभावित रहेगा। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से सहयोग की अपील की है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा पुल के एक्सपेंशन जॉइंट्स को बदलने और उनकी मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। पुल के जॉइंट्स अक्सर खुल जाते थे, जिसके कारण यह मरम्मत आवश्यक हो गई थी। पुलिस प्रशासन द्वारा बुधवार रात 9 बजे जारी प्रेस नोट में बताया गया कि मरम्मत के दौरान पुल का एक हिस्सा आंशिक रूप से संकरा रहेगा। इससे यातायात का

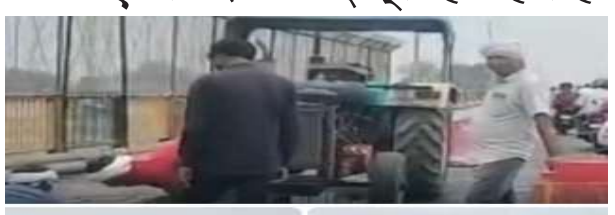

दबाव बढ़ने, वाहनों की गति धीमी होने और जाम लगने की संभावना है। वाहन चालकों और आमजन से अनुरोध किया गया है कि यदि उन्हें इस दौरान पांचाल घाट पुल से गुजरना हो तो वे अपने गंतव्य के लिए पर्याप्त समय पहले प्रस्थान करें। इससे संभावित यातायात दबाव और देरी से होने वाली असुविधा से बचा जा सकेगा। चालकों से निर्धारित डायवर्जन व्यवस्था का पालन करने, पुल पर अनावश्यक रूप से वाहन न रोकने और ओवरटेक न करने की अपील की गई है। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करने को भी कहा गया है। प्रशासन ने नागरिकों से संयम और धैर्य बनाए रखते हुए सहयोग करने का आग्रह किया है, ताकि मरम्मत कार्य सुरक्षित, समयबद्ध और सफलतापूर्वक पूरा हो सके और आमजन को कम से कम असुविधा हो।

विदिशा जिले के मनोरा जानकी धाम में निकाली गई रथ यात्रा मैं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्म आस्था की डुबकी लगाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ मायावती अहिरवार/ विदिशा - भगवान जगदीश स्वामी जगन्नाथ जी एवं उनके भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जी की निकली शोभा यात्रा जिसमें विदिशा जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्र से भक्तों ने रथ यात्रा में भगवान जगदीश स्वामी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा

एवं भजन कीर्तन का आनंद भक्तों ने लिया भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया

समस्त क्षेत्र वासियों उत्सव के साथ रथ यात्रा में भाग लिया एवं प्रशासन की कड़ी व्यवस्था

आमजन की सुरक्षा में रही शासन प्रशासन की व्यवस्था में कोई कमी नहीं रही पूरे विदिशा जिले में नटेरन,नया गोला, विदिशा, गंजबासौदा एवं कई स्थानों पर भगवान श्री जगदीश स्वामी की रथ यात्रा निकाली गई ।

फर्रुखाबाद फतेहगढ़ जेल में हड़कंप! जज, डीएम और एसपी का औचक निरीक्षण-बैरकों से लेकर रसोई तक मची अफरा-तफरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद से बड़ी खबरज जहां आज बड़े अफसर सीधे जेल में जा धमकेज और फिर पूरे सिस्टम में खलबली मच गईज मा0 न्यायाधीश, डीएम और पुलिस अधीक्षक ने मिलकर केंद्रीय और जिला कारागार का औचक निरीक्षण कियाज अफसरों ने बैरक से लेकर जेल अस्पताल तक सब

कुछ खंगाल डालाज बंदियों के खाने-पीने और साफ-सफाई की हकीकत भी परखी गई

जांच के दौरान जहां-जहां कमी दिखीज वहां मौके पर ही फटकार लगी और साफ शब्दों में कह दिया गया-अब ढिलाई नहीं चलेगीज जेल प्रशासन को सख्त हिदायत दी गई कि बंदियों की सुविधा और व्यवस्था में कोई लापरवाही हुईज तो सीधी कार्रवाई होगीज

जेल में बड़े अफसरों का छापा जैसा निरीक्षण बैरक से रसोई तक सबकी जांच कमी पर मौके पर फटकार कुल मिलाकरज अफसरों के इस तेवर से साफ हैज अब जेल की व्यवस्था पर पैनी नजर रहेगी

छरा गैंग रेप कि पीड़ित महिला के परिवार की आड़ में विपक्ष गंदी राजनीति -राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ थाना छरा गैंगरेप पीड़ित महिला के परिवार पर विपक्ष गंदी राजनीति कर रहा है विपक्ष को पीड़ित परिवार की चिंता नहीं है केवल पीड़ित परिवार की आड़ में गंदी राजनीति हो रही है भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहां है कि यूपी के विरोधी दल के नेता कह रहे हैं कि सपा की सरकार बनने पर मदद की जाएगी मदद तो बिना सरकार के भी की जा सकती है विरोधी दलों के नेताओं को पीड़ित परिवार की चिंता नहीं है चिंता है तो सरकार कैसे बने इनको चिंता है कैसे भी सरकार बने इनको खुद पता है कि सरकार बनने वाली उनकी नहीं है सरकार को पीड़ित परिवार की चिंता है पूरी चिंता है पूरी कार्रवाई हो रही है किसी को बक्सा नहीं जाएगा सरकार हर संभव मदद करेगी और कर रही है भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा कि पीड़ित परिवार की कोई चिंता विरोधी दलों के नेताओं को नहीं इनका विरोध करना है जितना सरकार पीड़ित परिवार के लिए कर रही है इतना विरोधी दलों के नेताओं की सरकारों ने कभी नहीं किया भाजपा के हर कार्य करता को पीड़ित परिवार की चिंता है शासन व प्रशासन ने गैंगरेप कि पीड़ित महिला के परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया है विरोधी दलों को नेताओं को सन 2027 की चिंता सता रही है क्योंकि यह सरकार में आने वाले नहीं है इसलिए

बहराइच में बिजली विभाग के कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत; गाली-गलौज और धमकी का ऑडियो वायरल होने के बाद उपभोक्ताओं ने खोला मोर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरीक सिंह/ बहराइच जनपद अंतर्गत थाना (थाना मटेरा क्षेत्र से जुड़े मामले में) के अंतर्गत आने वाले ग्राम मटेरा बाजार के विद्युत उपभोक्ताओं ने एक बिजली कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। यह कदम क्षेत्र में फैले भारी आक्रोश और कर्मचारी के एक कथित अभद्र ऑडियो के वायरल होने के बाद उठाया गया है। थानाध्यक्ष को सौंपे गए शिकायती पत्र में अग्रहरि समाज और मटेरा बाजार के समस्त बिजली उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि कल्याणी उपकेंद्र (33/11 पावर हाउस) के कर्मचारी मुकेश (पुत्र अज्ञात, निवासी भौखारा) ने आम जनता और उपभोक्ताओं के साथ बेहद अमानवीय व्यवहार किया है।शिकायतकर्ता के अनुसार, मुकेश ने मटेरा में अग्रवाल समाज के लोगों को जातिसूचक शब्द कहे, भद्दी-भद्दी गालियां दीं और आम उपभोक्ताओं का ट्रांसफार्मर सही हो जाने के बाद देख लेने व मारने-काटने की धमकी दी। इस पूरी घटना और बातचीत का एक कथित ऑडियो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विद्युत उपभोक्ताओं का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच एक तरफ वे बिजली संकट से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार कर्मचारी मदद करने के बजाय उनके साथ गाली-गलौज और अभद्रता पर उतारू हैं। इस घटना से पूरे मटेरा और अग्रहरि समाज में गहरा रोष है। शिकायत पत्र के माध्यम से पीड़ित उपभोक्ताओं ने पुलिस प्रशासन से सादर निवेदन किया है कि इस पूरे संवेदनशील मामले को तुरंत संज्ञान में लिया जाए।मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए।दोषी कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।यह शिकायत पत्र आज 16 जुलाई 2026 को समस्त अग्रहरि समाज और बिजली उपभोक्ताओं की ओर से आधिकारिक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

आयुष्मान योजना से जरूरतमंद मरीजों को मिल रहा संजीवनी का सहारा

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जनपद बदायूं में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अनेक लोगों को गंभीर बीमारियों से राहत मिली है और उनका जीवन सुरक्षित हुआ है। जनपद में 825345 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के 30201 व्यक्तियों के कार्ड बनाए जा चुके हैं।

जनपद में 19 सरकारी व 14 प्राईवेट कुल 33 अस्पताल योजना अन्तर्गत सूचीबद्ध है। अब तक 117000 कार्ड धारकों को योजना का लाभ देते हुए सूचीबद्ध अस्पतालों को 171.93 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है, जो योजना की सफलता व आमजन में इस योजना की लोकप्रियता का एक प्रमाण है। जनपद के दातागंज क्षेत्र के ग्राम मूजखेड़ा निवासी 55 वर्षीय महेश पुत्र सुवेन्द्र गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थे। आर्थिक तंगी के कारण वह उपचार कराने में असमर्थ थे। आयुष्मान कार्ड बनवाने के बाद उन्होंने सूचीबद्ध अस्पताल में नि:शुल्क उपचार कराया और अब पूर्णत: स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इसी प्रकार आसमा बेगम को गंभीर स्वास्थ्य समस्या के कारण तत्काल उपचार की आवश्यकता थी। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उन्हें बेहतर अस्पताल में नि:शुल्क उपचार उपलब्ध हुआ, जिसके बाद उनके स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ और आज वह स्वस्थ हैं। ग्राम नसीरपुर निवासी अरविन्द पुत्र मनोहर सिंह भी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उन्हें समय पर उपचार मिला, जिससे उनका सफल इलाज हुआ और अब वह सामान्य एवं स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप बदायूं ने बीते सात दिनों में 10,907 आयुष्मान कार्ड बनाकर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय आयुष्मान योजना की पूरी टीम, चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के कर्मचारियों तथा योजना से जुड़े सभी कार्मिकों को दिया। जिला प्रशासन ने जनपद के पात्र लाभार्थियों से अपील की कि वे अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं और आवश्यकता पड़ने पर योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक के नि:शुल्क उपचार का लाभ प्राप्त करें।

संक्षिप्त समाचार

अलीगढ़ स्मार्ट सिटी के दावों पर कूड़े का ढेर भारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ को स्वच्छ और स्मार्ट बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन अब्दुल्ला - लाल दिग्गी रोड की यह तस्वीर ज़मीनी हकीकत बयां कर रही है। सड़क किनारे लगा कूड़े का विशाल ढेर NN की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। क्या यही है स्मार्ट सिटी का सपना? जब मुख्य मार्गों पर ही गंदगी का अंबार हो, तो आम नागरिकों से स्वच्छता की अपेक्षा कैसे की जाए? अलीगढ़ की नज़र से

भारतीय हिंदू परिषद गौ रक्षा दल का संगठन विस्तार एवं गौ सेवा का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती भारतीय हिंदू परिषद गौ रक्षा दल समाजहित, राष्ट्रहित, गौ संरक्षण एवं गौ सेवा के कार्यों के लिए निरंतर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। संगठन का उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करना, गौ माता की रक्षा एवं संरक्षण के प्रति जनजागरण करना तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाना है। इस अवसर पर संगठन श्रावस्ती के प्रमुख सदस्यों में जिला अध्यक्ष श्रावस्ती प्रियव्रत मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल ,ब्लॉक महामंत्री राम आधार मिश्रा, प्रदीप कुमार मौर्य एवं रुद्र नारायन तिवारी, उपस्थित रहे। संगठन का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य पवनेश दास जी महाराज के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा गौ संरक्षण, सामाजिक सद्भावना और गौ सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। भारतीय हिंदू परिषद गौ रक्षा दल ने सभी समाजसेवियों एवं युवाओं से संगठन से जुड़कर राष्ट्रहित, गौ सेवा और जनकल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देने की अपील की।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

गुमशुदा मोबाइल बरामद,स्वामियों को किए सुपुर्द

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती पुलिस द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए आधुनिक तकनीकी संसाधनों का लगातार उपयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी एवं उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी के निर्देश पर सर्विलांस सेल द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी क्राइम भरत पासवान के कुशल पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल ने अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों, मोबाइल IMEI ट्रैकिंग, लोकेशन एवं नेटवर्क डेटा के विश्लेषण के माध्यम से विभिन्न थानों में दर्ज मोबाइल गुमशुदगी के प्रकरणों पर प्रभावी कार्रवाई की।सर्विलांस टीम के अथक एवं सराहनीय प्रयासों के परिणामस्वरूप कुल 65 गुमशुदा मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख 10 हजार रुपये है, सफलतापूर्वक बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोन मंगलवार को पुलिस कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके वास्तविक स्वामियों को विधिवत सुपुर्द किए गए। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और उन्होंने श्रावस्ती पुलिस का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने कहा कि जनपद पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रही है। उन्होंने बताया कि सर्विलांस सेल गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी के साथ-साथ साइबर अपराधों पर नियंत्रण तथा अपराधियों की लोकेशन ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी लगातार सफलता प्राप्त कर रही है।उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से न केवल नागरिकों की खोई हुई संपत्ति उन्हें वापस मिल रही है, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी ने सर्विलांस सेल एवं जनपद के सभी थानों पर सीईआईआर (CEIR) पोर्टल पर कार्यरत टीम की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में किशोरियों को लगाया गया सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीका

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती । संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से सुरक्षित करने के उद्देश्य से एक विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में 12 किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर) से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल महोदया की प्रेरणा से 05 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी ने आंगनवाड़ी किट का भी वितरण किया। टीकाकरण के उपरान्त जिलाधिकारी ने किशोरियों से उनका कुशलक्षेम में जाना तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी भी ली।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि सही उम्र में एचपीवी का टीका लगवाने से किशोरियों को भविष्य में इस गंभीर बीमारी के खतरे से बचाया जा सकता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील किया कि वे अपनी बेटियों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और समय पर उनका टीकाकरण सुनिश्चित कराएं।मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि टीकाकरण के बाद सभी किशोरियों को आवश्यक परामर्श दिया गया और स्वास्थ्य टीम द्वारा उनकी निगरानी भी की गई। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य विभाग आगे भी इस तरह के जागरूकता और टीकाकरण शिविरों का आयोजन जारी रखेगा। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 राजपाल सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी/अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. वर्मा सहित अन्य अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकत्री व भारी संख्या में बालिकाएं मौजूद रहे।

अंतर क्षेत्रक फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में लखीमपुर खीरी ने गोरखपुर को 4-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती- श्री वी. विक्रमण, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल, लखीमपुर खीरी के दिशा-निर्देशन में आयोजित अंतर क्षेत्रक (Inter sector) फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में क्षेत्रक मुख्यालय, स.सी.बल लखीमपुर खीरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्रक मुख्यालय, स.सी.बल गोरखपुर को 4-2 से पराजित कर प्रतियोगिता में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

मैच के नायक आरक्षी गुलज़ार अली रहे, जिन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 3 गोल दागे।

वहीं बेनेट तारो ने 1 गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरे मैच के दौरान लखीमपुर खीरी की टीम ने आक्रामक रणनीति, सटीक पासिंग और अनुशासित खेल का परिचय दिया। गोरखपुर की टीम ने भी कड़ा संघर्ष किया, लेकिन लखीमपुर खीरी के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और शानदार प्रदर्शन के दम पर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं टीमवर्क का परिचय दिया, जिसकी उपस्थित अधिकारियों, जवानों एवं दर्शकों ने सराहना की। रोमांचक मुकाबले ने अंत तक दर्शकों का उत्साह बनाए रखा। 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा आयोजित इस अंतर क्षेत्रक फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्देश्य जवानों में शारीरिक दक्षता, खेल भावना, आपसी समन्वय एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

मा0 प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ मा0 प्रधानमंत्री जी के कैच द रेन - हर बूंद बचाएं, भविष्य बनाएं अभियान के आह्वान पर जनपद में भू-जल सप्ताह के अंतर्गत जल संरक्षण एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का उद्देश्य आमजन को भू-जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाना था।

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि जल प्रकृति की अमूल्य धरोहर है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। यदि प्रत्येक नागरिक वर्षा जल संचयन, जल के सदुपयोग एवं जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि भू-जल स्तर में सुधार के लिए वर्षा जल संचयन, जल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण तथा जल का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति जल संरक्षण के इस महाअभियान का सहभागी बन सके। ,रैली में जल सहेलियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने कलेक्ट्रेट परिसर से टाउन हॉल तक हाथों में जल संरक्षण संबंधी संदेशों वाली तख्तियां एवं बैनर लेकर रैली निकाली तथा जल है तो कल है, हर बूंद बचाएं, भविष्य बनाएं, कैच द रेन, वर्षा जल का करें संचयन जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कैच द रेन सेल्फी एवं रील प्रतियोगिता का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। आमजन से अपील की गई कि वे वर्षा जल संरक्षण के अपने प्रयासों को सेल्फी अथवा रचनात्मक रील के माध्यम से साझा कर MyGov प्लेटफॉर्म पर प्रतियोगिता में भाग लें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में जनपदवासियों से आह्वान किया गया कि वे जल का अनावश्यक दोहन रोकें, वर्षा जल संचयन को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और हर बूंद बचाएं, भविष्य बनाएं के संकल्प के साथ जल-सुरक्षित एवं सतत विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

Bullying in school is increasing cases of depression and suicide among children. Why do such incidents occur?

Bullying means deliberately harassing, intimidating, humiliating, or attempting to physically or mentally harm someone. This is increasing cases of depression and suicide among children. It is important to understand the psychology behind this. On November 1st of last year, Amaira, a fourth-grade student at Neerja Modi School in Jaipur, committed suicide by jumping from the fourth floor of the school. This case is now back in the headlines. Amaira's parents, presenting CCTV footage from the classroom, have alleged that her classmates repeatedly bullied and harassed her. Amaira had complained to teachers several times, but no attention was paid to the situation, nor was any action taken. Consequently, the child, driven by distress, took the extreme step of suicide. The family has demanded action against all those responsible under the Juvenile Justice Act. Last year, following a visit by a two-member inspection committee a day after the incident, the Central Board of Secondary Education (CBSE) issued a show-cause notice to Neerja Modi School. This case has forced a rethink on student bullying. Cases of student bullying (harassment by classmates) have been reported in the country before. But the question remains: why do students of the same age do this? What is the thinking behind it? What does psychology say about this, and how can such incidents be prevented? It is noteworthy that many cases like Amyra's often make headlines, but this issue often goes unnoticed. Bengaluru (2021): Ronak Banerjee (14), a 10th-grade student at Baldwin Boys' School, committed suicide due to bullying by his peers. Bengaluru (2026): A 14-year-old eighth-grade student allegedly committed suicide. The suicide note mentioned humiliation and insults suffered at school. Bullying can occur in many forms: Bullying is considered a significant reason behind the rising suicide rates among children and adolescents in India. Reports indicate that between 2019 and 2023, approximately 491 reported student suicides were related to bullying, institutional harassment, and caste discrimination, equating to an average of one such case per week. Mental health experts say that bullying means repeatedly harassing, intimidating, humiliating, or attempting to physically or mentally harm someone. Bullying takes many forms. Verbal bullying is the most common, including constant taunting, mocking, and calling peers names. Sexual bullying is also becoming more common, especially among younger children, including writing sexual comments about someone, sharing private photos without their consent, or making sexual threats. Then comes cyberbullying. A screenshot of something said in class is taken and shared with hundreds of people. Someone's photo is posted to mock them. Messages from strangers constantly pour in. In such cases, the family often blames the child. "Why do you let them bother you? You have to be strong. Just ignore them." Such explanations often brush off the issue, so the child stops talking about it. They keep it bottled up. This is why suicides are increasing among bullied students. Why do children bully others? The psychology behind it: Psychologists say that not every child who bullies is born aggressive. There may be many social and psychological reasons behind their behavior. According to the American Academy of Pediatrics, children who have witnessed violence, abuse, neglect, or overly harsh discipline at home are more likely to develop aggressive behavior toward others. They want to feel powerful by showing off their power. Some children also bully to become popular, impress friends, or strengthen their position in a group. A desire for social status can also be a factor. Research suggests that low empathy, poor anger management, frequent viewing of violent content, family stress, and a lack of positive guidance can also play a role. Bullying can increase the risk of bullying. Some children are at a higher risk, including those from social backgrounds that often face discrimination or neglect. Furthermore, children from economically disadvantaged families, children with different gender identities, and children with physical or mental disabilities are also more likely to be victims of bullying. Speaking to Amar Ujala, senior psychiatrist Dr. Satyakant Trivedi explained that bullying can have serious and long-lasting effects on children. It also profoundly impacts their emotional and mental health. Such children may face problems like depression, anxiety, lack of self-confidence, and loneliness. In many cases, the situation can become so severe that a child turns to addiction or their studies and school performance are affected. What did the study find? A University of Florida study revealed that bullying and repeated harassment by classmates can have a significant impact on young children's mental health. It can have serious effects. It can even lead to trauma, a long-lasting mental and emotional impact in children following a traumatic experience. A report published in the Journal of Clinical Child and Adolescent Psychology found that more than 40% of children who experienced peer bullying experienced symptoms considered clinically severe. John L. Cooley, lead author of the study and assistant professor in the University of Florida's College of Education, says, "People often consider bullying a normal part of growing up, but this research shows that for many children, this experience can actually be extremely harmful." The study included 250 children in third to fifth grade. Researchers monitored the children's experiences throughout the academic year. They sought to understand how peer bullying impacts their mental health. Research found that nearly nine out of 10 children had experienced peer bullying at least once by the beginning of the school year. According to the researchers, many children avoid thinking about the incident or withdraw from people. Some children repeatedly recall the incident, have trouble sleeping, or feel insecure and stressed all the time. The impact on children's mental health persisted for more than six months, suggesting that such experiences can cause long-term mental health problems. This was evident not only in bullying, but in almost all forms of peer bullying. How can such incidents be prevented? Health experts say that parents and teachers should talk openly with children about their experiences with friends and at school. If a child reports being bullied at school or online, their report should not be taken lightly. Listening to a child in time, believing them, and providing necessary support can play a crucial role in protecting them from long-term mental damage. Dr. Satyakant Trivedi says, to prevent bullying, the country now needs an effective anti-bullying policy in schools, similar to the anti-ragging policy in colleges. Its objective should not only be to punish bullies but also to understand the reasons behind their behavior and correct them in time. Furthermore, regular awareness programs should be organized in every school for parents and children, teaching them how to confront bullying, how to seek help, and how to intervene sensitively if they witness bullying. Safe schools are built not just by good grades, but by a culture of respect, empathy, and emotional safety.

If something breaks in your rental, who pays for it? Learn the rules.

Renters often wonder who pays for it if something breaks in their room. Let's explore the answers to these questions in this article. Disputes often arise between renters and landlords over the cost of repairs. Problems like broken taps, leaky walls, or burnt-out electrical fixtures are common, but when it comes to paying for repairs, both parties often shift the blame. Lack of information often leads to exploitation of the tenant, while the landlord suffers losses. In this article, let's understand who is responsible for the various types of damage in a rented house. Landlord Responsible for Structural or Major Repairs - According to the Model Tenancy Act, the landlord bears the entire cost of repairing any major structural defect. This includes heavy dampness in the walls, a burst water main, leaking ceilings, painting the house, or a fault in the main electrical wiring. If the landlord refuses to perform these tasks, the tenant can legally take action under the rental agreement. Tenant to Pay for Minor Everyday Wear and Tear - The tenant is solely responsible for minor and everyday repairs that occur during their stay. For example, if a bulb in the room fuses, a water washer malfunctions, a geyser or fan malfunctions, or a switchboard breaks down, the tenant must pay for the repairs. Harassing the landlord for these minor tasks is considered against the rules. The best way to avoid any dispute is to clearly state the repair rules in the rental agreement at the time of renting. The agreement should clearly state the amount of small expenses the tenant will bear, and the landlord will be responsible for any expenses larger than that. In the event of court proceedings or disputes, the law always considers the written agreement as the primary basis. What are the rules for deducting money from the security deposit? If something in the house is damaged due to the tenant's negligence or deliberate mistake (such as breaking a door or breaking a window pane), the landlord has every right to recover the damage from the tenant. In such a situation, when the tenant vacates the house, the landlord can deduct the necessary repair amount from the security deposit, provided the tenant provides a proper bill.

Spotted termites on your bed? Do these 5 things immediately, or your entire furniture could be damaged.

What to do if you find termites in your bed? If you notice termites in your bed, first inspect the infestation and place it in a dry, well-ventilated area. In case of an initial infestation, use an appropriate termite control product as directed. If the infestation is extensive or has spread, seeking the help of a licensed pest control service is the safest and most effective solution. Wooden furniture enhances both the beauty and value of a home, but termites are its biggest enemy. Termites spread rapidly, especially during rainy and humid weather, and can gradually corrode beds, cupboards, doors, and other wooden items. This problem may seem minor at first, as termites often hide within the wood and cause damage. But if you start seeing termites moving around on your bed, ignoring it can be costly. A little carelessness can completely ruin expensive furniture. Fortunately, taking timely and appropriate measures can significantly prevent the spread of termites. Keeping furniture dry, identifying early infestations, and applying appropriate treatments can help minimize damage. If the infestation is severe, professional pest control is the most effective and safest option. Let's explore what you should do immediately if you see termites on your bed and how to prevent them in the future. First, check for infestation. If termites are visible on the bed, thoroughly inspect the entire furniture. Small holes in the wood, mud-like tunnels, sawdust-like powder, or a hollow feeling in the wood can be signs of a termite infestation. The sooner the problem is detected, the easier it will be to resolve. Keep the bed in a dry and well-ventilated area – termites thrive in damp and humid environments. If possible, place the bed in a place that receives adequate ventilation and light. Regular ventilation and the use of a dehumidifier, if necessary, can also help keep the room humid. During initial infestations, perform appropriate termite treatment: If the infestation is limited, use a commercially available termite control product as directed. Follow the safety instructions on the label when using the product. Keep children and pets away from the treated area. Note that if the infestation is deep or extensive, hiring a licensed pest control service is more effective than self-treatment. Regularly clean and care for furniture: Clean beds and other wooden furniture regularly. Avoid accumulation of dust and moisture. Inspect furniture periodically to detect termites at an early stage. Applying an appropriate polish or protective coating to the wood can also help extend its life. Adopt these habits to prevent termites: Immediately repair dampness and water leaks in the room. Avoid placing wooden furniture directly against wet walls or floors. Avoid storing old newspapers, cardboard, and other wooden materials for extended periods. Inspect furniture regularly during the monsoon season. In case of a flea infestation, seek professional pest control.

Surbhi Jyoti reveals her daughter's name, shares a special photo with fans, pens an emotional note

TV actress Surbhi Jyoti has finally shared her daughter's name with fans. Find out what she's named her. Surbhi Jyoti announced her daughter's name to fans through a special post on

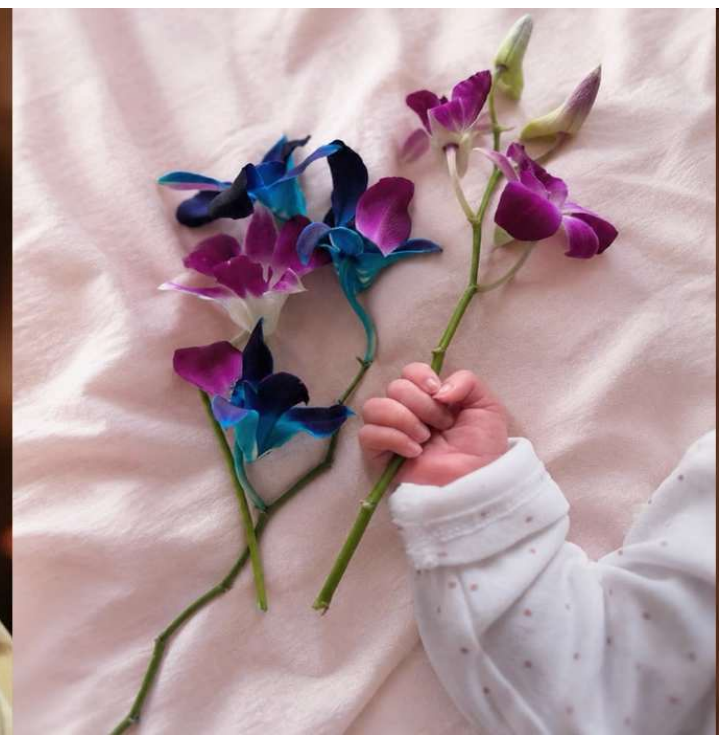

Instagram, along with a beautiful caption. Posted by: Surbhi Jyoti - Surbhi has named her daughter "Sahar." Surbhi made this beautiful announcement on social media after her daughter's first month. On Monday, she shared a sweet photo of her daughter holding a flower in her tiny hand. She accompanied the photo with an emotional caption. First, she announced her daughter's name as Sahar. Then, she wrote, "I love the first light of the morning, and you've brightened everything up." Surbhi also shared another glimpse of her daughter, showing her tiny feet. Following this post, fans and members of the TV industry showered their well-wishes and welcomed little Sahar. Daughter born on June 13th - Surbhi Jyoti and her husband Sumit Suri welcomed their first child on June 13th. Now, exactly a month later, they have shared their daughter's name with fans. Baby shower was also special - Surbhi celebrated her baby shower on her birthday, May 29th, 2026. It was a small and special function attended by family and close friends. The celebration had a pastel-themed decor, using light pink and purple colors. Floral decorations and symbols to ward off the evil eye were also part of the decor. Surbhi wore a pastel-purple maternity dress for the occasion. Her TV industry friends, Anita Hassanandani and Asha Negi, also attended her special day. Marriage in 2024 - Surbhi and Sumit married in 2024. Nearly two years later, in February 2026, they announced the arrival of their first child. Surbhi Jyoti is known for her roles in popular shows like "Qubool Hai" and "Naagin 3." She has also appeared in numerous TV shows and music videos.

What did Imtiaz Ali say about his daughter's engagement? Ida Ali shared the proposal video and showed off the ring.

Filmmaker Imtiaz Ali's daughter is engaged. Her father has reacted to the news. Let's find out what he said about Ida Ali and Krish Aggarwal. Filmmaker Imtiaz Ali's daughter, Ida Ali,

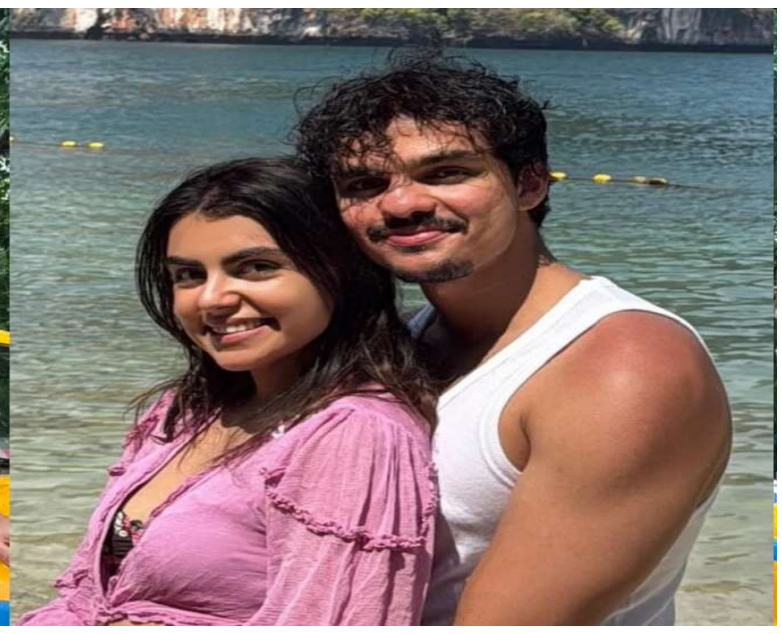

recently got engaged to her boyfriend. She posted a video on Instagram showing off her engagement ring. Her boyfriend, Krish Aggarwal, is also seen in the video. Imtiaz Ali has reacted to his daughter's engagement. Ida gave a glimpse - On July 1st, Krish Aggarwal proposed to Ida in a very beautiful and filmy style. Ida, a 26-year-old budding filmmaker, said "yes" to Krish! On Sunday, Ida shared a video of the proposal on Instagram, giving everyone a glimpse of this special moment. Imtiaz Ali is happy - Regarding what Imtiaz Ali had to say about his daughter's engagement, Hindustan Times quoted him as saying, "This is the happiest moment for me. Krish spoke to me before proposing to Ida." He further said, "I don't want to interfere and let her enjoy this moment." Ida has made a name for herself Ida's work - 26-year-old a filmmaker and writer. She first in the entertainment industry as after directing the short film gained recognition at the age of 17 drama "Uljhe Hue" for Amazon "Lift." She wrote the romantic platform called "Refresh." She has MiniTV and started a digital studied filmmaking in California. Krish, seen with Ida - Not much information is publicly available about Krish Aggarwal. But he has been frequently seen in Ida's social media posts over the past few years.

"Je Dilwa Me Rahe Ram Ji Naseeb Me Kahe Na": Wife Jyoti Singh's Cryptic Post Accompanies Power Star Pawan Singh's New Song

Jyoti, wife of Bhojpuri industry's power star Pawan Singh, shared a post on social media. She accompanied it with Pawan Singh's recently released breakup song "Naseeb." Pawan Singh

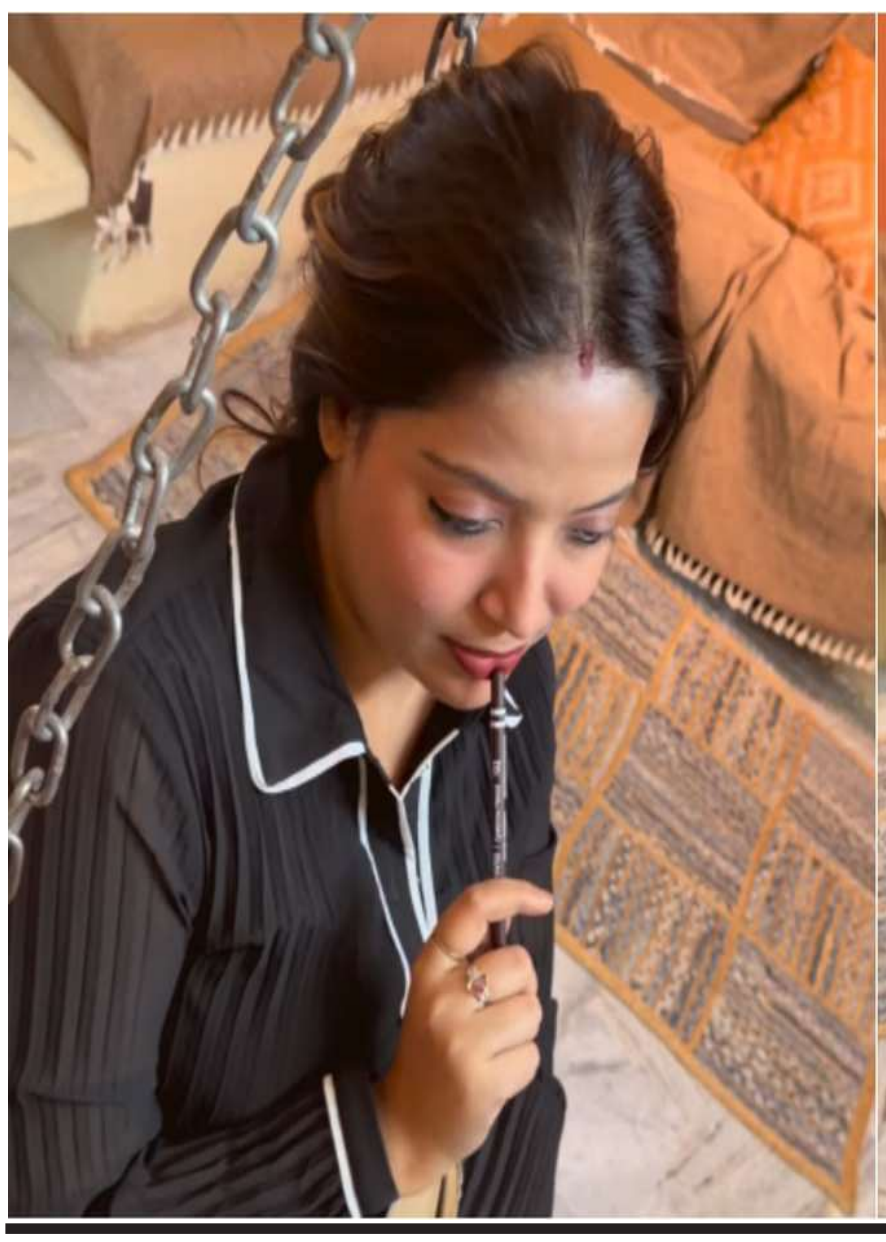

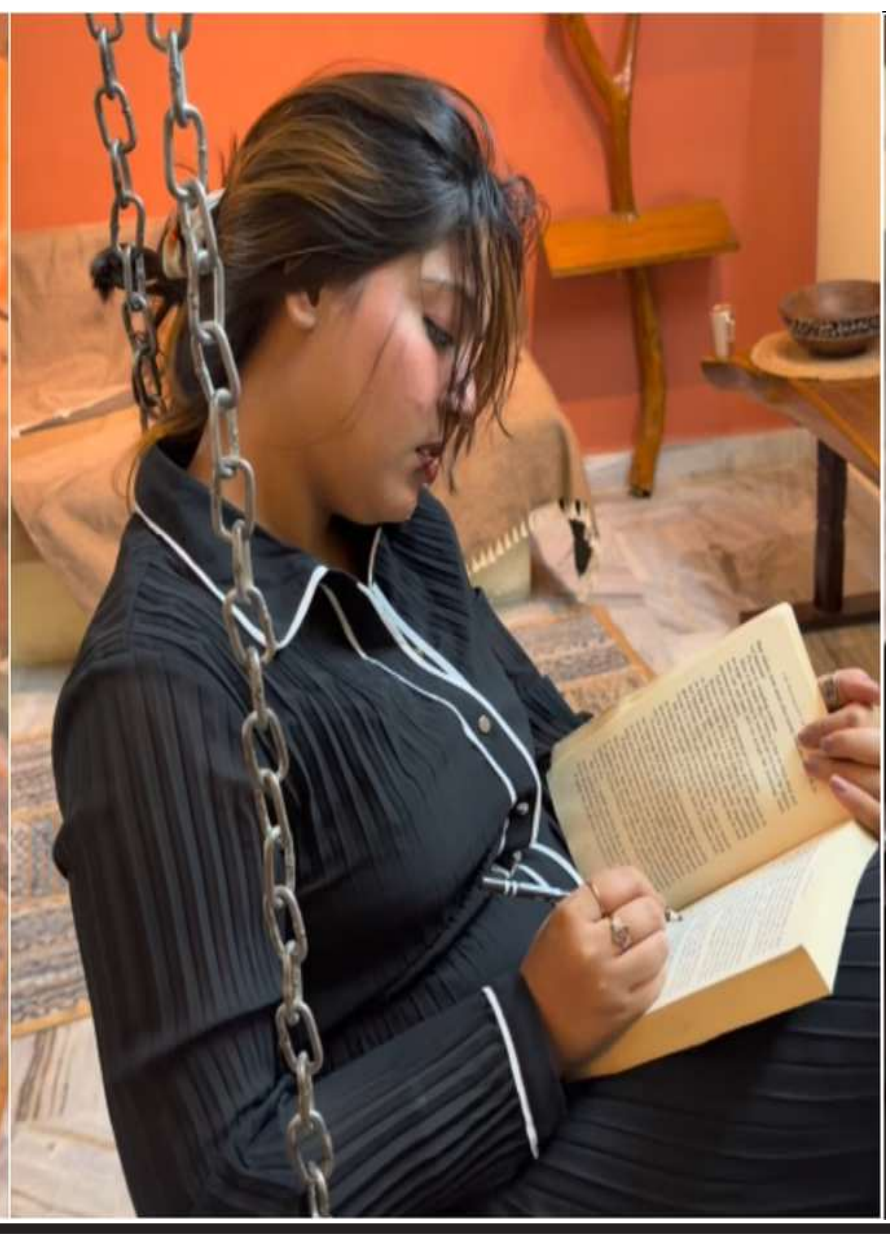

is currently in the news for his recently released breakup song "Naseeb." In this song, the power star is seen grieving the pain of separation from his love. He is seen weeping bitterly after receiving his girlfriend's wedding card, drenched in alcohol. The song is trending widely on social media. Meanwhile, Pawan Singh's wife Jyoti Singh has also shared a post about the song. Pawan Singh and Jyoti Singh's marriage has developed a rift. Jyoti has made several serious allegations against her actor husband Pawan Singh. Their divorce case is ongoing in court. Meanwhile, Jyoti is quite active on social media and often shares her videos with Pawan Singh's songs in the background. This has happened once again. Is wife Jyoti missing Pawan Singh? Jyoti shared a post on her Instagram account. In it, she is seen sitting on a swing and reading a book. In the video, Jyoti flaunts her sindoor. The lyrics of the song "Jehi Dil Me Rahe Raja Ji Naseeb Me Kahe Na" are playing alongside the video. Netizens are speculating whether Jyoti Singh has expressed her feelings using Pawan Singh's song. Users said, "May you both get together again." Netizens are commenting on Jyoti Singh's post. Users are praying for an end to the feud between Pawan Singh and Jyoti and wishing for them to stay together. One user wrote, "Don't ruin your home by listening to others. May you both get together. This is what the whole public wants." Another user wrote, "May this beautiful couple get together again." It's worth noting that in addition to his films and songs, Pawan Singh is also active in the world of politics. Recently, he became an MLC on a BJP ticket.